Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 127
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,06 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 यूपी में एसआईआर को लेकर एक्शन में मुख्यमंत्री

4 नफासत की साड़ियां और गौरवशाली इतिहास

5 आर्थिक तंगी से जूझ रहा पुष्पा 2 की भगदड़ में घायल हुआ बच्चा, अल्लू

ओडीओपी 2.0 लांच करेगी योगी सरकार

ब्रांड यूपी की पहचान बनने के बाद ये समय की जरूरत :सीएम

■ प्रदेश के हर क्षेत्र में खान-पान की कुछ न कुछ विशिष्ट परंपरा है ■ प्रदेश में तीस साझा सुविधा केंद्र स्वीकृत किए गए हैं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ओडीओपी योजना को और विस्तार देना समय की मांग है। इसके लिए बेहतर प्रशिक्षण और ऋण सुविधा का विस्तार किया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि ब्रांड उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुकी 'एक जनपद- एक उत्पाद योजना' अब अपने अगले चरण ओडीओपी 2.0 टू के माध्यम से स्थानीय उद्योग, स्वरोजगार और निर्यात को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक बाजार, आधुनिक मांग, तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता और पैकेजिंग की नई आवश्यकताओं को देखते हुए ओडीओपी को अब और अधिक व्यापक, व्यावसायिक और परिणामोन्मुखी स्वरूप में आगे बढ़ाने की जरूरत है। ओडीओपी 2.0 के माध्यम से सरकार का लक्ष्य होगा कि प्रदेश के पारंपरिक उत्पाद बड़े बाजार, निर्यात और स्थायी रोजगार का मजबूत आधार बनें। शुक्रवार को इस संबंध में हुई महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जनपद की विशिष्ट खाद्य परंपरा को भी एक संगठित पहचान देने की दिशा में 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओडीओसी) की अवधारणा को साकार करने की भी जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ी हुई है। प्रदेश के हर क्षेत्र में खान-पान की कुछ न कुछ विशिष्ट परंपरा है। कहीं हलवा अच्छा है तो कहीं दालमोठ। उन्होंने कहा कि हर जिले के विशेष व्यंजनों की मैपिंग कर उनकी गुणवत्ता, स्वच्छता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन को सुदृढ़ किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ओडीओपी' और 'ओडीओसी' मिलकर उत्तर प्रदेश को 'लोकल से ग्लोबल' की दिशा में नई गति देंगे। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2018 में प्रारंभ ओडीओपी योजना आज उत्तर प्रदेश के निर्यात और स्थानीय उद्योगों की रीढ़ बन चुकी है। अब तक 1.25 लाख से अधिक टूलकिट वितरित किए जा चुके हैं, 06 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण हो चुका है और 08 हजार से अधिक उद्यमियों को प्रत्यक्ष विपणन सहायता दी गई है। प्रदेश में तीस साझा सुविधा केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और 44 ओडीओपी उत्पादों को अब तक जियो टैग प्राप्त हो चुके हैं। ओडीओपी उत्पाद आज प्रतिष्ठित ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं और राज्य के कुल निर्यात में इनका योगदान पचास प्रतिशत से अधिक है। ओडीओपी को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने ओडीओपी 2.0 को लेकर कहा कि यह अब केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्थायी रोजगार, स्थानीय उद्यम और निर्यात को नई ऊंचाई देने का सशक्त माध्यम बने। उन्होंने कहा कि अब उन इकाइयों और उद्यमियों को आगे बढ़ाने पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जिन्होंने पहले चरण में उत्कृष्ट कार्य किया है, ताकि वे अपने व्यवसाय का और विस्तार कर सकें।

जहरीली हवा का कहर

दिल्ली में एक्यूआई 323 पर अटका, अब शीतलहर ने भी दी दस्तक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को भी जहरीली हवा से कोई राहत नहीं मिली और वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। सुबह नौ बजे के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 323 रहा। दिल्ली भर के 30 निगरानी स्टेशन ने बेहद खराब स्तर की हवा दर्ज की, जिसमें बवाना में सबसे अधिक एक्यूआई 373 दर्ज किया गया। सप्ताह के दौरान एक्यूआईमें उतार-चढ़ाव देखने को मिला। रविवार को राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 279 दर्ज किया गया, जो सोमवार को बढ़कर 304 हो गया। मंगलवार को यह और बढ़कर 372 हो गया, जो गंभीर श्रेणी की ओर बढ़ रहा था। बुधवार को यह 342 पर पहुंच गया। बृहस्पतिवार को यह फिर से 304 पर पहुंचकर बेहद खराब हो गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शून्य से 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक को अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को मध्यम, 201 से 300 के बीच को खराब, 301 से 400 के बीच को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच को गंभीर श्रेणी में रखा जाता है।

सार संक्षेप

केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए 3 महीने की राहत देने का किया फैसला

नयी दिल्ली उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करने की छह महीने की अवधि शुक्रवार को समाप्त हो रही है, लेकिन लाखों संपत्तियां अब भी रजिस्ट्रेशन से बाहर हैं। ऐसे में उन्हें राहत देते हुए केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए 3 महीने की राहत देने का निर्णय लिया है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, आज वक्फ संपत्ति रजिस्ट्रेशन का आखिरी दिन है। पूरे देश में अब भी लाखों संपत्तियां पोर्टल पर दर्ज नहीं हो पाई हैं। कई सांसद, सामाजिक नेता और वक्फ से जुड़े प्रतिनिधि मुझसे मिले और समय बढ़ाने की मांग की।

अब नहीं आएगी सर्विस की शिकायत!

ओला ला रही 1000 एक्सपर्ट की फौज

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक अपनी हाइपरसर्विस योजना के अगले चरण में करीब 1,000 वरिष्ठ टेक्नीशियन और विशेषज्ञ पेशेवरों की भर्ती करने की तैयारी कर रही है। योजना से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी। इस विस्तार से कंपनी की बिक्री के बाद सेवा टीम काफी मजबूत हो जाएगी। इस टीम में अभी अभी करीब 2,000 लोग हैं। यह कदम प्रमुख बाजारों में सेवा की कमी को दूर करने के लिए कई हफ्तों से चल रहे त्वरित प्रतिक्रिया प्रयासों के बाद उठाया जा रहा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, यह हाइपरसर्विस का दूसरा, ज्यादा संरचनात्मक चरण है। कार्यदल तो समस्या को तत्काल हल करने के लिए था।

अमित शाह ने स्वदेशोत्सव 2025 का किया उद्घाटन

आत्मनिर्भर भारत के विजन को मिला नया मंच

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 'स्वदेशोत्सव 2025' का उद्घाटन किया, जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पाँच दिवसीय राष्ट्रव्यापी एक्सपो स्वदेशी उत्पादों, ज्ञान और कला को बढ़ावा देगा, जिसमें पर्यावरण, स्टार्टअप, मातृशक्ति, साइबर सुरक्षा, आयुर्वेद और प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर सेमिनार शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय मैदान में 'स्वदेशोत्सव 2025' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह राष्ट्रव्यापी एक्सपो 5 दिसंबर, 2025 से 9 दिसंबर, 2025 तक चलेगा। उद्घाटन समारोह के बाद, गृह मंत्री ने स्वदेशी की शक्ति का प्रतीक 'स्वानुभूति प्रदर्शनी' का भी अनावरण किया। इस स्वदेशी उत्सव के दौरान ज्ञान और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष सेमिनार आयोजित किए गए हैं, ऐसा विज्ञप्ति में कहा गया है। तदनुसार, 5 दिसंबर को उद्घाटन दिवस पर पर्यावरण संकल्प सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 6 दिसंबर को स्टार्टअप उड़ान 2025 और स्वदेशी संकल्प अभियान पर सत्र निर्धारित हैं। 7 दिसंबर के सत्र मातृशक्ति की भूमिका और साइबर सुरक्षा जागरूकता पर केंद्रित होंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 8 दिसंबर को आयुर्वेद और स्वास्थ्य के साथ-साथ बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सेमिनार होंगे। अंतिम दिन, 9 दिसंबर को प्राकृतिक खेती और जैविक खेती पर चर्चा होगी। साथ ही, प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।स्वदेशोत्सव ज्ञान, कला और स्वदेशी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करेगा। विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर स्वर्णिम जागरण मंच के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

मंदिर का पैसा अराध्य का, इसका इस्तेमाल सहकारी बैंक को बचाने के लिए नहीं किया जा सकता: न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि किसी मंदिर के अराध्य के धन का उपयोग वित्तीय संकटग्रस्त सहकारी बैंकों को सहारा देने के लिए नहीं किया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह कड़ी टिप्पणियां कुछ सहकारी बैंकों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के दौरान कीं। अपील में केरल उच्च न्यायालय के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बैंकों से थिरुनेल्ली मंदिर देवास्वोम को जमा राशि लौटाने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान सवाल किया, आप मंदिर के धन का उपयोग बैंक को बचाने के लिए करना चाहते हैं? यह निर्देश देने में क्या गलत है कि मंदिर का धन, संकट ग्रस्त सहकारी बैंक में रखने के बजाय एक आर्थिक रूप से सुदृढ़ राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जाना चाहिए जो अधिकतम ब्याज दे सके। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मंदिर का धन वहां के अराध्य का है और इसलिए, इस धन को केवल मंदिर के हितों के लिए ही बचाया, संरक्षित और उपयोग किया जाना चाहिए तथा यह किसी सहकारी बैंक के लिए आय या जीवनयापन का स्रोत नहीं बन सकता। मनंतवाडी को-ऑपरेटिव अर्बन सोसाइटी लिमिटेड और थिरुनेल्ली सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में याचिकाएं दायर की थी जिसपर प्रधान न्यायाधीश की पीठ ने सुनवाई की। उच्च न्यायालय ने पांच सहकारी बैंकों को निर्देश दिया था कि वे देवस्वओम की सावधि जमा राशि को बंद कर दो महीने के भीतर पूरी राशि वापस कर दें, क्योंकि बैंकों ने परिपक्व जमा राशि जारी करने से बार-बार इनकार कर दिया था।

यूक्रेन संकट पर रूसी राष्ट्रपति से बोले प्रधानमंत्री मोदी

भारत तटस्थ नहीं है बल्कि शांति के पक्ष में

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के नवीनतम प्रयासों का शुक्रवार को पुरजोर समर्थन किया और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यह संदेश दिया कि भारत इस संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के लिए सभी शांति प्रयासों में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। यूक्रेन मुद्दा दोनों नेताओं के वार्षिक शिखर वार्ता में केंद्रीय रूप से उभरा है। इस शिखर वार्ता का उद्देश्य लगभग आठ दशक से जारी द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत बनाना है, जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल और तनावों के बावजूद स्थिर बनी रही है। मोदी ने शिखर वार्ता के दौरान अपने संबोधन की शुरूआत में कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष को लेकर तटस्थ नहीं है, बल्कि इसे करने के लिए शांति का पक्षधर है। पीएम मोदी ने कहा,

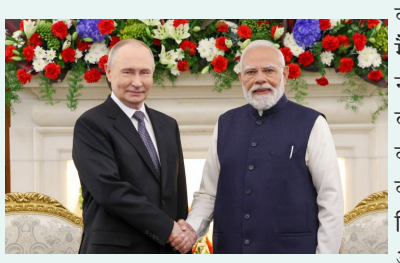

यूक्रेन संघर्ष के शुरू होने के बाद से हम चर्चा करते रहे हैं। एक करीबी मित्र के रूप में, आप हमें स्थिति के बारे में नियमित रूप से सूचित करते आए हैं। मुझे लगता है कि विश्वास एक बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, हम सभी को शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। मैं नवीनतम प्रयासों से अवगत हूं और मुझे विश्वास है कि दुनिया शांति की ओर रुख करेगी। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि भारत तटस्थ नहीं हैय भारत का एक पक्ष है और वह है शांति। हम सभी शांति प्रयासों का समर्थन करते हैं और इन कोशिशों के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। रूसी राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि मॉस्को संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में काम कर रहा है। पुतिन का बृहस्पतिवार शाम को लाल कालीन पर स्वागत किया गया, यह चार साल बाद उनकी पहली भारत यात्रा है।

आप सांसद राघव चड्ढा ने गिग वर्कर्स की सुरक्षा का उठाया मुद्दा,

10 मिनट डिलीवरी मॉडल को तुरंत खत्म करने की मांग की

नई दिल्ली। राज्यसभा में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने शून्यकाल के दौरान गिग वर्कर्स की सुरक्षा और उनकी बदतर हालत का मुद्दा उठाया। चड्ढा ने सरकार से मांग की कि डिलीवरी बॉयज और अन्य गिग वर्कर्स की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं और कंपनियों द्वारा थोपे जा रहे 10 मिनट डिलीवरी मॉडल को तुरंत खत्म किया जाए।उन्होंने कहा कि जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट और जेप्टो जैसे प्लेटफॉर्म्स के डिलीवरी पार्टनर्स और अर्बन कंपनी के सर्विस प्रोवाइडर्स वास्तव में भारतीय

अर्थव्यवस्था के अदृश्य पहिए हैं, लेकिन इन्हीं कंपनी मालिकों की अरबों डॉलर की वैल्यूएशन इन मेहनतकश लोगों की टूटी हुई कमर और जोखिम भरी जिंदगी पर खड़ी है।राघव चड्ढा ने कहा, ष्जब भी हम फोन पर बटन दबाते हैं और हमारे पास मैसेज आता है-श्आपका ऑर्डर रास्ते में है,श श्आपकी राइड आ गई हैश तो उसके पीछे कोई इंसान होता है जो समय से पहले पहुंचने के लिए रेड सिग्नल जंप करता है। तेज रफ्तार में बाइक चलाता है। सिर्फ एक मिनट की देरी होने पर उसकी रेटिंग गिरती है, इंसेंटिव कट जाता है या कई बार उसकी आईडी तक ब्लॉक कर दी जाती है।चड्ढा ने सदन में तीन प्रमुख समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया। 10 मिनट डिलीवरी मॉडल के कारण राइडर्स रोज अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं ताकि उन्हें खराब रेटिंग और ग्राहक की शिकायतों से बचाया जा सके। वर्कर्स 12-14 घंटे तक भीषण गर्मी, ठंड, प्रदूषण और बारिश में बिना किसी सुरक्षा उपकरण के काम करते हैं। सोशल सिक्योरिटी जैसे न स्थायी नौकरी, न ढंग का बीमा, न मेडिकल सुरक्षा, न ही भविष्य की कोई गारंटी, यह सब मिलकर इन्हें असुरक्षित और मजबूर बनाता है।

राहुल गांधी ने साधा भाजपा पर निशाना

इंडिगो की विफलता सरकार के एकाधिकार मॉडल की कीमत

नईदिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के विभिन्न हिस्सों से उड़ानों के रद्द होने तथा देरी के कारण हवाई यात्रियों की परेशानी और इंडिगो एयरलाइंस की विफलता को सरकार की एकाधिकार नीति का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि इस संकट के बुनियाद सरकार की एकाधिकार की नीति में है और सरकार की इस नीति को अपनाने ने के कारण ही इंडिगो के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा ष्इंडिगो की विफलता मोदी सरकार के

एकाधिकार मॉडल की कीमत है। एक बार फिर, इसकी कीमत आम भारतीयों को चुकानी पड़ रही है जिसके कारण विमान सेवाओं में देरी हो रही है और उड़ानें एक के बाद एक करके रद्द की जा रही हैं। उन्होंने विमान यात्रियों की इस लाचारी के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि भारत हर क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हकदार है। मैच फिक्सिंग करने वाली एकाधिकार की नीति ठीक नहीं है। गौरतलब है कि इंडिगो की उड़ाने पायलटों को ज्यादा आराम देने जैसे नये नियमों के कारण प्रभावित हुई है और कई उड़ानों को रद्द करना पड़ रहा है।

इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द, यात्री परेशान; उच्च स्तरीय जांच कराएगी सरकार

नई दिल्ली। इंडिगो सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन है। एयर इंडिया के मुकाबले इंडिगो के विमानों की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा और उड़ानों की संख्या चार गुना से भी ज्यादा है। बड़ा सवाल यही है कि क्या विमानों का इतना बड़ा बेड़ा और इतनी ज्यादा उड़ानों की वजह से यह मौजूदा संकट पैदा हुआ है...

भारतीय विमानन क्षेत्र की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस समय अपने इतिहास के सबसे बुरे परिचालन संकट से गुजर रही है। पिछले चार दिनों में एयरलाइन की समय की पाबंदी धड़ाम होकर सिंगल डिजिट पर आ गई है। इससे हजारों यात्रियों को देशभर के हवाई अड्डों पर मुसीबत झेलनी पड़ रही है। आखिर 400 से ज्यादा विमानों और करोड़ों यात्रियों का भरोसा जीतने वाली इंडिगो अचानक संकट में क्यों है? क्या यह सिर्फ क्रू की कमी है या इसके पीछे की कहानी कुछ और है? 1. पहले समझिए- इंडिगो कितनी बड़ी एयरलाइन है संकट की गहराई को समझने के लिए इंडिगो के विशाल आकार के बारे में जानना जरूरी है। यह महज एक एयरलाइन नहीं, बल्कि भारतीय एविएशन की रीढ़ है। एयरलाइन के पास 434 विमानों का बेड़ा है। इसने 920 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर भी दे रखा है। इंडिगो हर दिन 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित करती है। 3.2 लाख से अधिक यात्रियों को हवाई सफर करवाती है। यह 128 गंतव्यों के लिए अपनी सेवाएं देती है। वित्त वर्ष 2025 के लिए एयरलाइन का राजस्व लगभग ?80,803 करोड़ रुपये रहा। नवंबर 2024 से इंडिगो ने हर महीने लगातार एक करोड़ से अधिक यात्रियों को हवाई सफर कराया है। वित्त वर्ष 2025 में कुल 11.9 करोड़ यात्रियों ने इंडिगो से सफर किया, जो पिछले साल के मुकाबले 12.5% अधिक है। 2. स्थिति कब और कैसे बिगड़ी? इंडिगो के लिए वर्तमान संकट अचानक नहीं आया, लेकिन बीते तीन-चार दिनों में इसमें बेतहाशा वृद्धि हुई। सबसे ज्यादा असर एयरलाइन की यूएसपी यानी 'ऑन-टाइम परफॉर्मेंस' (ओटीपी) पर पड़ा है।इससे जुड़े आंकड़े चौकाने वाले हैं। वित्तीय वर्ष 2025 में एयरलाइन ने 73.8% की ओटीपी हासिल की थी। 1 दिसंबर को ओटीपी गिरकर 50% पर आ गई। 2 दिसंबर को यह और गिरकर 35% पर पहुंच गई। 3 दिसंबर को हालात और खराब हो गए और ओटीपी 19.7% रह गई। 4 दिसंबर को एयरलाइन का सिस्टम पूरी तरह चरमरा गया और ओटीपी ऐतिहासिक निचले स्तर 8.5% पर आ गई। जानकारों के अनुसार, मुख्य कारण नए एफडीटीएल (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों के दूसरे चरण का लागू होना और उसके बाद क्रू (पायलट और केबिन स्टाफ) की गंभीर कमी है।

गोरखपुर के पडरौना को नई रेल सौगात, 12 दिसंबर 2025 से दौड़ेगी नई छपरा अमृतसर एक्सप्रेस

गोरखपुर : केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में बताया कि पडरौना पहले से ही गोरखपुर जंक्शन और थावे जंक्शन के माध्यम से राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जहां वर्तमान में 4 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस तथा 4 जोड़ी पैसेंजर रेलगाड़ियां संचालित हो रही हैं, जो दिल्ली, लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, मथुरा, जयपुर, अजमेर, अहमदाबाद और पटना जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ती हैं। यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए 12 दिसंबर 2025 से 15135/36 छपराझअमृतसर एक्सप्रेस का पडरौना में ठहराव शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को और मजबूत करने के लिए गोरखपुर झवाल्मिकीनगर

दोहरीकरण (96 किमी) और छितौनी तमकुही रोड नई रेल लाइन (63 किमी) जैसी बड़ी परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सभा में जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2020-21 से 2025-26 के दौरान भारतीय रेल पर कुल 2,617 किलोमीटर लंबाई की 21 मीटर गेज से ब्रॉड गेज रूपांतरण परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं, जिनकी अनुमानित लागत लगभग ?19,485 करोड़ है। इसके अलावा, क्षेत्रीय संपर्क और जिला मुख्यालयों को महानगरों से जोड़ने के उद्देश्य से 755 किलोमीटर लंबाई की 18 अतिरिक्त ब्रॉड गेज परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं, जिनकी लागत ?8,273 करोड़ है। इन परियोजनाओं से देशभर में रेल संपर्क, यात्री सुविधा और माल ढुलाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सभा में जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2020-21 से 2025-26 के दौरान भारतीय रेल पर कुल 2,617 किलोमीटर लंबाई की 21 मीटर गेज से ब्रॉड गेज रूपांतरण परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं, जिनकी अनुमानित लागत लगभग ?19,485 करोड़ है। इसके अलावा, क्षेत्रीय संपर्क और जिला मुख्यालयों को महानगरों से जोड़ने के उद्देश्य से 755 किलोमीटर लंबाई की 18 अतिरिक्त ब्रॉड गेज परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं, जिनकी लागत ?8,273 करोड़ है। इन परियोजनाओं से देशभर में रेल संपर्क, यात्री सुविधा और माल ढुलाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश में रेलवे अवसंरचना विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। वर्ष 2009-14 में जहां औसतन ?1,109 करोड़ प्रतिवर्ष का बजट आवंटन था, वहीं वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर ?19,858 करोड़ तक पहुंच गया है, जो लगभग 18 गुना वृद्धि को दशार्ता है। नए रेलपथ निर्माण की गति भी दोगुने से अधिक हो गई है—2009-14 में जहां 996 किमी रेललाइन (199 किमी प्रतिवर्ष) कमीशन हुई थी, वहीं 2014-25 के दौरान 5,272 किमी रेललाइन (औसतन 479 किमी प्रतिवर्ष) कमीशन की गई। इसके अलावा, 1 अप्रैल 2025 तक राज्य में 49 रेलवे परियोजनाएं ?62,360 करोड़ की लागत से स्वीकृत की जा चुकी हैं, जिनमें से 1,323 किमी लंबाई की रेललाइन चालू हो चुकी है और ?30,611 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं।

वडोदरा मंडल के प्रयासों से वासद - कठाना खंड पर 7 दिसंबर से फिर दौड़ेगी डेमू ट्रेन

गोरखपुर: पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा वासद - कठाना खंड पर डेमू सेवा को 7 दिसंबर, 2025 से रि-इंट्रोडूयूस किया जा रहा है। गुजरात

में इस वर्ष आयी बाढ़ से इस क्षेत्र के सड़क मार्ग के साथ साथ इस रेल खंड को भी बहुत नुकसान हुआ था। माननीय जनप्रतिनिधिओं एवं यात्रिओं के मांग पर तत्परता दिखाते हुए वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के निर्देशन में वासद - कठाना खंड पर यात्री सेवा को बहाल किया जा रहा है। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कोविड काल में यात्रिओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को देखते हुए भारतीय रेल द्वारा यात्री सेवाओं को बंद किया गया था, जिसे कोविड काल के बाद चरणबद्ध रूप से बहाल किया जा रहा है। गुजरात में इस वर्ष आयी बाढ़ से इस क्षेत्र के सड़क मार्ग के साथ साथ इस रेल खंड को भी बहुत नुकसान हुआ था। रेलवे ट्रैक के साथ साथ इस खंड के स्टेशनों की बिल्डिंग की भी क्षति हुई थी। सड़क मार्ग द्वारा आवागमन में जनता को आ रही दिक्कतों को देखते हुए जनप्रतिनिधियों की मांग थी कि जनता के लिए ट्रेन सेवा यात्रा का सुगम माध्यम है,जिससे समय की भी बचत होती है। यह ट्रेन सेवा जल्द उपलब्ध कराई जाये, जिससे इस क्षेत्र के व्यापारिओं, छात्रों आदि को सुविधा उपलब्ध हो सके जो व्यापार या पढ़ाई के लिए दूसरे स्थान विशेषकर वडोदरा की यात्रा करते हैं। माननीय जनप्रतिनिधिओं की मांग पर अमल करते हुए एवं यात्रिओं के मांग पर तत्परता दिखाते हुए विपरीत परिस्थिति के बावजूद वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के निर्देशन में अधिकारिओं एवं रेलकर्मियों की मेहनत एवं प्रयासों से वासद - कठाना खंड पर ट्रेन सेवा को रि-इंट्रोडूयूस किया जा रहा है। बाढ़ से प्रभावित एवं डैमेज खंड पर बैलास्ट फाइलिंग, टैंपरिंग जैसे ट्रैक वर्क किये गए हैं। लेवल क्रासिंग रिपेयरिंग वर्क के अंतर्गत लिफ्टिंग बैरियर की रिपेयरिंग की गयी एवं रोडसाइड बोर्डों को लगाकर अप्रोच रोड को दुरुस्त किया गया। स्टेशन पर कवरशेड, प्लेटफार्म, एप्रोच रोड की मरम्मत के साथ साथ स्टेशन भवन की प्लास्टरिंग एवं रिपेरिंग जैसे कार्य कर इससे ट्रेन परिचालन के लिए उपयुक्त बनाया गया। पश्चिम रेलवे का वडोदरा मंडल यात्रिओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए हमेशा प्रतिबध्द है।

एसआईआर में नो-मैपिंग वाले मतदाताओं की फिर कराएं जांच

बस्ती। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर कराए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य के सिलसिले में डीएम कृतिका ज्योत्सना ने बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अवशेष गणना प्रपत्रों के संग्रहण व डिजिटाइजेशन, नो मैपिंग तथा एएसडी वोटर के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिन बीएलओ ने 2003 की मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं को नो- मैपिंग का कारण दिखाते हुए थर्ड कैटेगरी (नो मैपिंग) में त्रुटिवश डाल दिया है, ऐसे बीएलओ एप पर फिर सत्यापन रिपोर्ट दर्ज करते हुए संबंधित मतदाताओं को प्रथम व द्वितीय श्रेणी में डाला जाए। जिन बूथों पर शत प्रतिशत कार्य हो गया है।

नाबालिग का यौन शोषण करने का आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। नाबालिग के यौन शोषण के मामले में छह माह से फरार चल रहे राजस्थान के जिला डिंग के थाना डिंग सदर निवासी आरोपी प्रवीण कुमार (24) को बृहस्पतिवार की सुबह ग्राम गंधरिया से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 16 जून 2025 को रुधौली थाना क्षेत्र की एक नाबालिग का यौन शोषण किया था। पीड़िता के परिवार की तहरीर पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही थी। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उपनिरीक्षक एजाज अहमद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम गंधरिया में घेराबंदी की। सुबह करीब 10:40 बजे आरोपी प्रवीण कुमार निवासी मधुबना, थाना डिंग सदर जिला डिंग, राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया गया।

चोर गिरोह के सात गुर्गों पर गैंगस्टर में कार्रवाई

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र में लूट, चोरी, नकबजनी और मारपीट जैसी वारदातों में सक्रिय एक आपराधिक गिरोह के खिलाफ पुलिस ने गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 में रिपोर्ट दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी गिरोह बनाकर आर्थिक व भौतिक लाभ के लिए विभिन्न स्थानों पर जघन्य अपराधों को अंजाम दे रहे थे। थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद ने बताया कि गिरोह की गतिविधियों की पुष्टि के बाद सामूहिक आपराधिक नेटवर्क पर कार्रवाई की गई। आरोपियों में अंकुर पाण्डेय, प्रिंस वर्मा, मिंटू उर्फ दीवेन्द्र शेखर शर्मा, भीम पांडेय, राकेश कुमार गुप्ता, अतुल पटेल और अतुल वर्मा शामिल हैं।

भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे पर 141 मार्ग किलोमीटर में हाथियों से टकराव को रोकने के लिए सक्षम कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा घुसपैठ पहचान प्रणाली तैनात की

गोरखपुर: भारतीय रेलवे (आईआर) में तकनीकी सुधार एक सतत प्रक्रिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूवार्नुमानित रखरखाव अनुप्रयोगों में से कुछ इस प्रकार हैं: भारतीय रेलवे के कुछ स्टेशनों पर सिग्नलिंग प्रणाली के कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित पूवार्नुमानित रखरखाव से संबंधित पायलट पहल की जा रही है ताकि इसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जा सके। मापनीय परिणामों में मानक विफलता और पूवार्नुमान तर्क और अलर्ट तंत्र शामिल हैं, जिन्हें इन स्टेशनों पर परीक्षण परिणामों से प्राप्त किया जाएगा। रेलवे पटरियों पर हाथियों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए वितरित ध्वनिक प्रणाली (डीएएस) का उपयोग करते हुए सक्षम कृत्रिम बुद्धिमत्ता घुसपैठ पहचान प्रणाली (आईडीएस) को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के 141 मार्ग किलोमीटर खंड में लागू किया गया है और भारतीय रेलवे के 981 मार्ग किलोमीटर खंड के लिए निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं। यह प्रणाली लोको पायलटों, स्टेशन मास्टरों और नियंत्रण कक्षों को रेलवे पटरियों के आसपास हाथियों की आवाजाही के बारे में अलर्ट भेजने के लिए डिजाइन की गई है, ताकि समय पर निवारक कार्रवाई की जा सके। भारतीय रेल ने रोलिंग स्टॉक के पूवार्नुमानित रखरखाव के लिए रोलिंग स्टॉक सिस्टम (ओएमआरएस) की ऑनलाइन निगरानी, ??व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर (वाइल्ड) जैसी उन्नत/सुधारित प्रौद्योगिकियों को अपनाया है। जुलाई 2025 में वेसाइड मशीन विजन आधारित निरीक्षण प्रणाली (एमवीआईएस) को शामिल करने के लिए भारतीय रेल और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह चलती ट्रेनों में लटके हुए पुर्जों या गायब घटकों का पता लगाने के लिए एक एआई/एमएल संचालित प्रणाली है। भारतीय रेल और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के बीच स्वचालित व्हील प्रोफाइल मापन प्रणाली यह प्रणाली को लागू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह प्रणाली ट्रेन के पहियों की प्रोफाइल का स्वचालित, गैर-संपर्क मापन करने में सक्षम है, जिससे पहियों की ज्यामिति और घिसाव का तत?क्षण मापन सुनिश्चित होता है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

बलिया स्टेशन के नवीनीकरण के साथ ही यहाँ से ट्रेन सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि किया गया है : अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर : बलिया के विकास में माननीय सांसद जी के प्रयासों की सराहना करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बलिया स्टेशन के नवीनीकरण के साथ ही यहाँ से ट्रेन सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि किया गया है। उन्होंने कहा कि बलिया वास्तव में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थानों में से एक है और माननीय सांसद बलिया ने आज बलिया के बारे में पूरा विस्तृत विवरण दिया उससे यह पूरा सदन सहमत है। जिस तरह से बलिया का कंट्रीब्यूशन है भारत के इतिहास में योगदान है, उसको निश्चित रूप से सारा देश नमन करता है। उन्होंने कहा कि माननीय सांसद के लगातार फॉलोअप के कारण आज बलिया में 82 ट्रेन सेवायें चल रही है। इसके अलावा बलिया स्टेशन का कंप्लीट नवनिर्माण किया जा रहा है जिसमें बलिया स्टेशन भवन की डिजाइन में स्थानीय संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहर को समाहित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत अगामी 50 वर्षो की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बलिया रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास रू. 40.47 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 83 प्रतिशत फिजिकल कार्य पूरे कर लिए गए हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत बलिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं.-02 एवं 03 का उच्चीकरण एवं विस्तार, प्लेटफॉर्म पर 11230 वर्गमीटर सतह में ग्रेनाइट तथा कोपिंग, 1200 वर्गमीटर में वीसीडी लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है, इसके अन्तर्गत 85 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। प्रथम प्रवेश द्वार पर 900 वर्ग मीटर में फसाड का कार्य, पोर्च तथा सकुर्लेटिंग एरिया में 1000 मीटर में ड्रेन, 350 मीटर बाउण्ड्री वॉल, 9500 वर्गमीटर में सड़क, 2900 वर्गमीटर में पार्किंग, 1100 वर्गमीटर में पाथवे का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन पर वेटिंग हॉल/रूम, मॉडर्न ट्वायलेट ब्लॉक, 33 वे के छाजन, साइनेजेज, फसाड लाइटिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। 12 मीटर चैड़े फुट ओवर ब्रिज का फाउंडेशन का कार्य पूरा कर लिया गया तथा अन्य कार्य प्रगति पर है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत स्टेशन पर 04 लिफ्ट तथा 04 एस्केलेटर लगाये जाने के अन्तर्गत 03 लिफ्ट लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है, 01 लिफ्ट तथा 04 एस्केलेटर लगाये जाने का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बलिया जनपद के सुरेमनपुर स्टेशन पर उन्नत सुविधायें उपलब्ध कराये जाने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

ग्रीनपार्क-परेड चौराहा मार्ग छह माह से खुदा पड़ा

कानपुर। सीएम ग्रिड योजना के तहत ग्रीनपार्क से परेड तक की सड़क छह माह से खुदी पड़ी है, जिस पर खुले मैनहोल में गिरकर एक कर्मचारी का पैर टूट गया। जलकल लीकेज और शौचालय को अधिकारी काम में देरी का कारण बता रहे हैं। कानपुर में ग्रीनपार्क चौराहा से परेड तक जाने वाली सड़क पर सीएम ग्रिड योजना के तहत काम चल रहा है। यह मार्ग छह माह पहले खोद दिया गया है। अभी तक इसे भरा नहीं गया है। इसी तरह कई जगह मैनहोल में ढक्कन नहीं लगे हैं। निर्माण सामग्री रखी होने से सड़क की चौड़ाई भी कम हो गई है। इस वजह से लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। इससे जाम भी लगता है। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (सीएम ग्रिड) योजना के तहत ग्रीन पार्क से परेड होते हुए घंटाघर तक काम होना है। अभी ग्रीनपार्क चौराहा से लेकर परेड चौराहा के बीच काम चल रहा है। इसमें ग्रीनपार्क चौराहा से परेड जाने वाले रास्ता छह माह से खुदा है। इसके अंदर नाले की सरिया भी निकली हुई हैं। साथ ही दफ्तर के गेट के बाहर ही मैनहोल बना दिया गया है। शौचालय बना होने की वजह से काम नहीं शुरू हो सका यह भी खुला है। पिछले माह एक कर्मचारी गड्ढे में गिर गया था। इस वजह से उसका दो जगह से पैर टूट गया था। गड्ढा खुदा होने के पीछे अधिकारियों का तर्क है कि जलकल की लाइन में लीकेज होने के कारण गड्ढे को नहीं भरा जा रहा है। इसी तरह केस्को दफ्तर के सामने शौचालय बना होने की वजह से वहां काम नहीं शुरू हो सका है। वहीं, गुरुवार को हडर्ड स्कूल चौराहा से पहले कर्मचारी फुटपाथ का काम कर रहे हैं। इन वजहों से हुई देरी ग्रीनपार्क से घंटाघर के बीच जलनिगम की ओर से लाइनों को शिफ्ट किया जाना था। नगर निगम की ओर से तीन माह पहले धनराशि जलनिगम को दे दी गई थी लेकिन टेंडर प्रक्रिया में काफी देरी हुई। इसके अलावा पोल शिफ्टिंग में भी ढिलाई बरती गई है। निर्माण कार्य में देरी पर कार्यदायी संस्था पर 10 लाख का जुमार्ना लगाया जा चुका है। नगर निगम जोन एक की तरफ से कराया जा रहा है काम। ग्रीनपार्क चौराहा के पास बहुत समय से दुकान लगा रहे हैं। छह माह पहले नाला निर्माण के लिए खोदाई की गई थी अभी तक गड्ढे को भरा नहीं गया है। इस वजह से हमेशा गिरने का खतरा बना रहता है। -रामनक्षत्र, दुकानदार दफ्तर के गेट के सामने ही ऊंचा मैनहोल बना दिया और आसपास गड्ढा भी है। एक माह पहले गड्ढे में गिर जाने से एक कर्मचारी का पैर टूट गया था। हमारी मांग है कि काम को जल्द से जल्द खत्म करना चाहिए। -राज अग्निहोत्री, स्थानीय ग्रीनपार्क से केस्को के बीच स्ट्रीट फूड का हब है। यहां पर अक्सर खाने के लिए आते हैं। खोदाई की वजह से गाड़ी सड़क पर ही खड़ी करनी पड़ती है। इस वजह से जाम लग जाता है। -आशीष राठौर, राहगीर हर दिन परमट आना व जाना रहता है। छह माह से देख रहे हैं कि गड्ढे खुदे पड़े हैं। इस वजह से धूल भी उड़ती रहती है। आवागमन में परेशानी होती है। -पारस, माल रोड निर्माण कार्य में देरी पर कार्यदायी संस्था के ऊपर 10 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जा चुका है। जलनिगम को तीन माह पहले काम करने के लिए रुपये दे दिए थे लेकिन उनकी तरफ से देरी से काम शुरू हुआ है। 15 दिसंबर तक परेड तक काम पूरा करा देंगे। निर्माण के लिए जितनी सामग्री की जरूरत होती है, उतना ही लाया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

तिरुनेलवेली - जामनगर एक्सप्रेस में बुजुर्ग यात्री को सुरक्षित रूप से परिवार से मिलाया गया

गोरखपुर: 04 दिसंबर को ट्रेन संख्या 19577 तिरुनेलवेली झ जामनगर एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे एक 75 वर्षीय यात्री को चिपलून स्टेशन पर अनजाने में उतर जाने के बाद, रेल अधिकारियों की त्वरित डिजिटल रिपोर्टिंग, सटीक संचार और समन्वित फील्ड प्रतिक्रिया की मदद से सुरक्षित रूप से उनके परिवार से मिलवा दिया गया। यह घटना वरिष्ठ एवं संवेदनशील यात्रियों की सुरक्षा में इन प्रयासों की प्रभावशीलता को दशार्ती है। बुजुर्ग यात्री, जो कोच एस 4 में यात्रा कर रहे थे, गलती से चिपलून स्टेशन पर उतर गए और अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाए। जब वे घर नहीं पहुंचे, तो उनके बेटे ने सुबह 11.28 बजे रेल मदद प्लेटफॉर्म पर विस्तृत शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल ने पूरे सेक्शन में केंद्रित एवं व्यवस्थित खोज शुरू की। इसके बाद रेलवे सुरक्षा बल ने तुरंत यह सूचना संबंधित रूट पर तैनात कर्मियों को भेजी और प्लेटफॉर्म एवं प्रतीक्षालयों पर गहन जाँच शुरू की। चिपलून में, एक गश्ती दल ने प्लेटफॉर्म के पास एक वृद्ध व्यक्ति को भ्रमित एवं असहाय स्थिति में घूमते हुए देखा। स्टाफ ने उनसे बातचीत की और समझा कि वे अपनी ट्रेन से अलग हो गए थे तथा गंतव्य बताने में असमर्थ थे। वार्ता के दौरान रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों ने रेल मदद शिकायत को क्रॉस-चेक किया और पाया कि शिकायत में दी गई यात्री की जानकारी और रूप-रंग से यह व्यक्ति मेल खाता है। पुष्टि होते ही रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने परिवार से संपर्क किया, उनकी चिंता दूर की और उन्हें यात्री के सटीक स्थान की सूचना दी। इसके बाद यात्री को सम्मानपूर्वक और सुरक्षित तरीके से उनके बेटे से मिलवाने की व्यवस्था की गई। पहचान सत्यापन के बाद बुजुर्ग यात्री को औपचारिक रूप से उनके बेटे से मिलाया गया। परिवार ने अत्यंत राहत और कृतज्ञता व्यक्त की तथा स्वीकार किया कि रेलवे सुरक्षा बल की त्वरित और समन्वित कार्रवाई ने संभावित तनाव या जोखिम को टाल दिया। यह घटना दशार्ती है कि त्वरित शिकायत पंजीकरण, संरचित सूचना-साझाकरण और जमीनी सतर्कता कैसे यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ एवं संवेदनशील यात्रियों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह रेल मदद प्लेटफॉर्म की अनिवार्य उपयोगिता को भी रेखांकित करता है, जो समय पर उपयोग किए जाने पर रेलवे टीमों को विलंब से प्रतिक्रिया देने के बजाय पूर्व-सक्रिय कदम उठाने में सक्षम बनाता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और परिवारों को भावनात्मक आश्वासन मिलता है।

पूर्वोत्तर रेलवे के 136 लोको में कवच लगाये जाने हेतु 123.95 करोड़ स्वीकृत

गोरखपुर: माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने पूर्वोत्तर रेलवे के 136 लोको में कवच लगाये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की है। भारतीय रेल के शेष रेल खण्डों पर लॉन्ग-टर्म इवोल्यूशन पर आधारित संचार प्रणाली के साथ कवच का प्रावधान वर्ष 2024-25 के अम्ब्रेला वर्क के तहत कार्य, मशीनरी एवं रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम 2024-25 के अन्तर्गत मंजूरी प्रदान की गयी है। इस अम्ब्रेला कार्य की लागत ? 27,693 करोड़ है। इसके तहत पूर्वोत्तर रेलवे के लिए 969 करोड़ रुपये की लागत से एक सब-अम्ब्रेला वर्क को मंजूरी दी गई। सब-अम्ब्रेला के अन्तर्गत पूर्वोत्तर रेलवे के 136 लोको में कवच लगाये जाने हेतु ? 123.95 करोड़ स्वीकृत किया गया है। स्वदेशी रूप से विकसित कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ए.टी.पी.) प्रणाली को पूर्वोत्तर रेलवे के 1,441 रूट किमी. पर लगाने का कार्य रेल मंत्रालय द्वारा रु. 492.21 करोड़ की लागत से पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। कवच के इंस्टालेशन को प्राथमिकता प्रदान करते हुये इसे पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर लखनऊ जं.-मानक नगर, लखनऊ जं.-मल्हौर, बाराबंकी जं.-बुढ़वल जं., सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं. एवं बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, वाराणसी मंडल पर गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज, गोरखपुर कैंट-वाल्मीकिनगर रोड, भटनी जं.-वाराणसी जं., वाराणसी जं.-प्रयागराज जं. एवं औंड़िहार जं.-छपरा जं.य तथा इज्जतनगर मंडल पर रावतपुर-फरुर्खाबाद जं., फरुर्खाबाद जं.-कासगंज जं. एवं कासगंज जं.-मथुरा जं. खंडों पर कवच का कार्य स्वीकृत किया जा चुका है। प्रथम चरण में पूर्वोत्तर रेलवे के 558 रूट किमी. पर कवच लगाने का कार्य किया जायेगा, जिसमें लखनऊ मंडल के सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं., बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, मानक नगर-लखनऊ जं.-मल्हौर एवं बाराबंकी-बुढ़वल जं. तथा वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज खंड सम्मिलित हैं। इस रेलवे पर टॉवर कार्य एवं कवच उपकरण हेतु दो निविदाओं के माध्यम से कवच स्थापित करने का कार्य किया जायेगा। वर्तमान में मुख्य मार्ग छपरा-बाराबंकी में टॉवर लगाने का कार्य प्रगति पर है तथा गोरखपुर कैंट-छपरा ग्रामीण के मध्य टॉवर लगाने का निविदा दिया गया है। कवच उपकरण हेतु निविदा का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा इसे लगाने हेतु सर्वे का कार्य प्रगति पर है।

दो पक्षों में मारपीट, फायरिंग की चर्चा

विक्रमजोत(बस्ती)। छावनी थाना क्षेत्र के सीतारामपुर माझा में बृहस्पतिवार की देर शाम गोंडा और अयोध्या जनपद की सीमा पर खेत पर कब्जा करने पर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई, इसमें दो युवक घायल हो गए। इस दौरान फायरिंग की भी चर्चा है, मगर पुलिस इससे इन्कार कर रही है। माझा क्षेत्र में गोली की आवाज सुनकर खेतों की रखवाली कर रहे लोगों में हड़कंप मच गया। फायरिंग की आवाज सुनकर तटबंध के आसपास बसे लोगों को वारदात स्थल पर आता देख गोंडा के दुगार्गंज माझा के आरोपी टेढ़ी नदी गोंडा की तरफ भाग निकले। मौके पर घायल सोनू यादव निवासी कटरा थाना नवाबगंज जिला गोंडा तथा लल्लू यादव निवासी लालपुर थाना परसरामपुर बस्ती को सीएचसी विक्रमजोत पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने दोनों घायलों की हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज अयोध्या रेफर कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद ने बताया कि वारदात गोंडा जिले के क्षेत्र में खेत के विवाद को लेकर हुई है। फायरिंग जैसी अफवाह की पुष्टि नहीं हुई है। मामले में अब तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

प्रेमी के घर पहुंची प्रमिका शादी की जिद पर अड़ी

नगर बाजार (बस्ती)। नगर थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले प्रेमी के घर बुधवार की सुबह एक युवती पहुंचकर शादी करने की जिद पर अड़ गई। मजबूरन पुलिस को बुलाना पड़ा, मगर वह पीछे हटने के लिए तैयार नहीं हुई। देर शाम तक यह ड्रामा चलता रहा। बाद में प्रेमी और युवती के घरवालों के बीच शादी पर रजामंदी बनी। बताया जा रहा है कि नगर थाना क्षेत्र के एक गांव का युवक गुजरात में काम करता था।

ई-रिक्शा खरीदने के लिए लाइसेंस जरूरी

बस्ती। संभागीय परिवहन कार्यालय सभागार में जिले के सभी ई-रिक्शा/ई-कार्ट के डीलर एवं मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल के प्रबंधकों की बैठक बुलाई गई। ई-रिक्शा/ई-कार्ट डीलरों को निर्देशित किया गया कि ई-रिक्शा/ई-कार्ट के विक्रय के समय संबंधित क्रेता का लाइसेंस जरूरी है। एआरटीओ प्रशासन माला बाजपेई ने कहा कि जिसके नाम वाहन विक्रय किया जाएगा उसका ई-रिक्शा/ ई-कार्ट लाइसेंस अनिवार्य रूप से जमा कराया जाए।

सुंदर के समर्थन में आए अश्विन

विशाखापत्तनम। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी तीन वनडे मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले से पहले पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने वाशिंगटन सुंदर के समर्थन में आवाज उठाई है। उनका मानना है कि सुंदर की टीम में भूमिका को स्पष्ट होनी चाहिए। पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को वाशिंगटन सुंदर की टीम में भूमिका को स्पष्ट करना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो यह ऑलराउंडर इसी गफलत में रहेगा कि आखिर उसकी भूमिका क्या है। अश्विन ने कहा कि वाशिंगटन को गेंदबाजी ऑलराउंडर माना जाना चाहिए और उन्हें पूरे ओवर दिए जाने चाहिए जिससे बल्लेबाजी में भी उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। पहले दो मुकाबलों में सिर्फ सात ओवर की गेंदबाजी 26 वर्षीय खिलाड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में केवल सात ओवर फेंके और अभी तक उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला है।

महालक्ष्मी वरदान दिवस पर भक्तों को दिया खजाना

ग्वालियर

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की ग्वालियर जिला इकाई द्वारा गुरुवार को महालक्ष्मी वरदान दिवस का आयोजन जनकगंज स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में श्रद्धा भाव के साथ किया गया। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर हजारों की संख्या में अग्रबंधु और श्रद्धालु एकत्र होकर अपनी कुलदेवी माता महालक्ष्मी के दिव्य आशीर्वाद की अनुभूति प्राप्त करने पहुंचे। महालक्ष्मी वरदान दिवस का महत्व इसलिए और भी विशेष है क्योंकि समाज की प्रचलित परंपराओं के अनुसार इसी दिन महाराजा अग्रसेन जी को देवी महालक्ष्मी ने यह दिव्य वरदान प्रदान किया था कि मैं सदा तुम्हारे कुल में निवास करूंगी। इस मौके पर पंडित राघवेश शर्मा ने महालक्ष्मी जी की कथा का वाचन किया जिसमें महालक्ष्मी माता के स्वरूप, उनकी कृपा और महाराजा अग्रसेन जी के तप की पावन गाथा का सुंदर वर्णन किया गया।

इस आयोजन का मुख्य केंद्र वह दिव्य खजाना है जिसे विशेष वैदिक मंत्रों के द्वारा अभिमंत्रित किया गया। यह पवित्र खजाना अग्रबंधुओं के लिए सौभाग्य, समृद्धि और उन्नति का प्रतीक माना जाता है। विधिपूर्वक अभिमंत्रण के बाद हजारों श्रद्धालुओं, जिनमें कई शहरों से आए आगंतुक भी सम्मिलित थे को यह खजाना प्रदान किया गया। श्रद्धालुओं ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यपूर्ण क्षण बताया । आज अग्रवाल समाज की बेटी आयुषी बंसल का सम्मान भी किया गया ये सम्मान उनका आईएएस में चयनित होने पर किया गया। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल, जिला अध्यक्ष रवि गर्ग तथा महिला विंग अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि महालक्ष्मी वरदान दिवस केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है।

समाज के प्रत्येक परिवार तक समृद्धि और सौहार्द का संदेश पहुंचाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर सीआईआई के चेयरमैन आशीष वैश्य, अखिल भारतीय अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन, श्याम बंसल अप्पा, अशोक गोयल, हेमंत गुप्ता, अजय गोयल, मनोज अग्रवाल, शिवमोहन अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

अजाक्स ने टांट्या भील को पुण्यतिथि पर किया याद

ग्वालियर। म.प्र. अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ (अजाक्स) द्वारा मेला ग्राउंड स्थित कार्यालय पर टांट्या भील की पुण्यतिथि श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री विजय मांझी ने टांट्या भील को गरीब-वंचितों का मसीहा बताते हुए कहा कि उनके अन्याय-विरोधी संघर्ष से प्रेरणा लेकर हमें भी अधिकारों के लिए मजबूती से खड़े होना चाहिए। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय कुमार पिपरोलिया ने की, जबकि कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव और वरिष्ठ संभागीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जाटव ने संगठन में भाईचारा, अनुशासन और अधिकारों की एकजुट मांग पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन एन.डी. मौर्य ने किया और आभार जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र जयंत ने व्यक्त किया। इस अवसर पर ओपी सिंह, मनीराम काटोरिया, जीएस गौतम, वीरेंद्र खटीक सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय क्रिकेट के फाइनल मुकाबले में एमएलबी जीता

ग्वालियर। माधव महाविद्यालय की आयोजन व्यवस्था में जीवाजी विश्वविद्यालय मैदान पर चल रही जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच एमएलबी महाविद्यालय ने जीवाजी विश्वविद्यालय अध्ययनशाला को हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया। जीवाजी विश्वविद्यालय एवं एमएलबी महाविद्यालय के बीच हुए मैच में टॉस जीवाजी विश्वविद्यालय ने जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 155 रन बनाने का लक्ष्य दिया। एमएलबी महाविद्यालय ने बाद में बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य प्राप्त कर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य, विशिष्ट अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय की शारीरिक शिक्षण अध्ययनशाला के खेल निदेशक डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माधव महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजय पांडे ने की।

मराठी समाज के लोगों ने भगवान दत्तात्रेय की जयंती मनाई, हुआ संगीतमय कीर्तन

ग्वालियर

मराठा समाज के लोगों द्वारा गुरुवार को भगवान दत्तात्रेय की जयंती मनाई। इस मौके दत्त मंदिर महाराज बाड़ा, अन्वेकर का दत्त मंदिर लाला का बाजार, ढोलीबुआ महाराज मठ और जीवाजीगंज स्थित मंदिर में हवन-पूजन और संगीतमय कीर्तन का आयोजन हुआ। भगवान का यह दिन विशेष महत्व रखता है। भगवान दत्तात्रेय को हिन्दू धर्म में त्रिमूर्ति भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश के अवतार के रूप में पूजा जाता है।

महोत्सव के प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया की गुरुवार को शाम 5 बजे दत्तमंदिर महाराज बाडा उपेन्द्र शिरगांवकर द्वारा दत्त जन्म की कथा सुनाई। उन्होंने उन्होंने परमात्मा के पास पहुंचने का मार्ग संत का सानिध्य बताया। संचालन विजय मोटकर ने किया। अन्वेकर दत्त मंदिर में मैत्रेयी कुलकर्णी का कीर्तन हुआ। जिसमें अहंकार जीवन में पतन का प्रारंभ होने का संदेश दिया। इस मौके पर शशिकांता व चित्रा अन्वेकर ने स्वागत किया। जीवाजीगंज स्थित मिरजकर दत्त मंदिर में शाम 5 बजे ढोलीबुआ महाराज द्वारा दत्त जन्म की कथा सुनाई। इस मौके पर मोहन अकोलकर, शशिकांत आपटे, प्रमोद गड़कर और रवि कल्याणकर उपस्थित रहे। ढोलीबुआ मठ में सुबह 9 बजे शशिकांत पांडे अकोला द्वारा सात दिवसीय पुर्ण गुरु चरित्र पारायण का समापन हुआ। शाम को सच्चिदानंद नाथ ढोलीबुआ महाराज ने पालने की कथा सुनाई। संचालन दिव्य खंडेलवाल ने किया।

लालटिपारा गौशाला में दत्तात्रेय जयंती पर संत समागम

लालटिपारा स्थित आदर्श गौशाला में गुरुवार को भगवान दत्तात्रेय जयंती एवं माता अन्नपूर्णा जयंती गौपूजन के साथ मनाई गई। यहां आयोजित भव्य संत समागम न केवल अध्यात्म और सेवा का उत्सव बना, बल्कि भारतीय धर्मपरंपरा की उज्ज्वल विरासत का जीवंत दर्शन भी करवाता रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत गौपूजन से हुई। इसके बाद संत-महात्माओं और धर्माचार्यों का विधिवत पूजन व स्वागत किया गया। समारोह के मुख्य प्रवक्ता पंडित अंबिका प्रसाद पचौरी, भागवताचार्य ने अपनी ओजस्वी और अमृतमयी वाणी से भगवान दत्तात्रेय के जीवन, उनके 24 गुरुओं और भारतीय दर्शन में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कुटुंब प्रबोधन, मध्य भारत प्रांत के प्रांत संयोजक अशोक पाठक ने संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मंडल और बस्ती स्तर पर प्रस्तावित हिन्दू सम्मेलनों के आयोजन हेतु संत समाज से सहयोग और आशीर्वाद का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस महायज्ञ में संत समाज अभिभावक की भूमिका निभाकर इसे सार्थक सफलता की ओर ले जाए। स्वामी ऋषभदेवानन्द ने गौसंरक्षण, ग्राम विकास और भारतीय जीवन-पद्धति को समाज की आत्मा बताते हुए सेवा ही साधना का संदेश दिया। स्वामी जी के सान्निध्य में गौसेवकों को गर्म वस्त्रों का वितरण भी किया गया। इस मौके पर भाजपा नेता आशीष प्रताप सिंह राठौड़, स्वामी अमृतानन्द जी (गुफा वाले आश्रम), स्वामी प्रभुदास जी, संत शिवदास जी (गिरगांव महादेव) सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे।

खदान में पलटा डम्पर चालक की दबकर मौत

ग्वालियर

महाराजपुरा थाना क्षेत्र में अवैध मुरम खदान में डम्पर अनियंत्रित होकर गहरी खदान में गिर गया। डम्पर की चपेट में आकर चालक की मौके पर ही मौत हो गई और डम्पर भी क्षतिग्रस्त हो गया। ग्राम मऊ में इन दिनों खदानों से अवैध मुरम खोदने का काम चल रहा है। खदान पर डम्परों से मुरम को शहर में ठिकाने लगाया जाता है। बुधवार को देर रात चालक मुरम से भरा डंपर लेकर जा रहा था तभी उसका डम्पर से नियंत्रण हट गया और डम्पर नीचे खदान में गिर गया। डम्पर से दबकर चालक राकेश पुत्र सुमेरसिंह अहिरवार की मौके पर ही मौत हो गई। अवैध रुप से संचालित खदान पर युवक की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को विच्छेदन गृह भेज मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

दुर्घटना के बाद जागे अधिकारी मौके पर पहुंचे, जेसीबी जब्त

महाराजपुरा और पुरानी छावनी क्षेत्र में लम्बे समय से मुरम का अवैध खनन का काम जोरों पर चल रहा है। उक्त खदानों से हर रोज लाखों रुपए की मुरम पहाड़ों का सीना चीरकर खुर्द-बुर्द की जा रही है। खनिज विभाग की मिलीभगत से फलफूल रही खदानों पर लोगों की काम करने के दौरान जान भी चली जाती है। एक बार फिर चालक राकेश की मौत के बाद खनिज विभाग के अधिकारियों की नींद टूटी और वह मौके पर पहुंचे। टीम ने यहां से अवैध मुरम खुदाई में लगी जेसीबी को जब्त कर लिया है, तो वहीं अवैध ढंग से बन रहे मकान मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। माफिया जमीन को भी बेचकर ठिकाने लगा रहे हैं।

पुलिस की मेहरबानी के बिना नहीं चल सकता धंधा

स्थानीय लोगों ने सवाल उठाते हुए कहा खनिज विभाग के अलावा पुलिस महकमे की बिना मर्जी से क्षेत्र में पत्ता भी नहीं हिल सकता है। पुलिस के इशारे पर मुरम का अवैध धंधा वर्षों से चल रहा है। तिघरा रोड पर मुरम के पहाड़ गायब कर वहां पर अब अतिक्रमण तक कर लिया गया है।

इनका कहना है

मऊ गांव में अवैध मुरम की खदान संचालित की जा रही है। खनिज विभाग की टीम ने मौके से एक जेसीबी को जब्त किया है।

घनश्याम सिंह यादव
खनिज अधिकारी

कला बच्चों के व्यक्तित्व को निखारती है: सहस्त्रबुद्धे

ग्वालियर

आईटीएम ग्लोबल स्कूल में वार्षिक समारोह एक्सेलसियर-2025 का भव्य आयोजन आईटीएम विश्वविद्यालय के नाद एम्फीथिएटर में किया गया। कार्यक्रम की थीम रिदम ऑफ एक्सीलेंस रही, जिसके अनुरूप छात्र-छात्राओं ने नृत्य, संगीत, वाद्य प्रस्तुति और नाटिकाओं के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे तथा सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली उपस्थित रहे।

समारोह में विद्यार्थियों ने क्लासिकल ग्रुप डांस, इंस्ट्रूमेंटल, वोकल भी पेश किए। तेनाली रामा की चतुराई और जूलियस सीजर की

राजनीति पर आधारित नाटकों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि मनुष्य के जीवन में लय और संतुलन अत्यंत आवश्यक है और कला बच्चों के व्यक्तित्व को निखारती है। अभिनेता इनामुलहक ने अभिभावकों से अपील की- बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर क्रियेटिविटी बढ़ाने दें। भुवनेश कोमकली ने खेलों और भारतीय कलाओं को बच्चों के व्यक्तित्व विकास का आधार बताया। आईटीएम के प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान ने बताया कि स्कूल तेजी से अंतरराष्ट्रीय पहचान की ओर बढ़ रहा है और ड्यूक ऑफ एडिनबरा प्रोग्राम, अमेरिकन फेलोशिप व क्यूएस रैंकिंग से अनुबंध की प्रक्रिया जारी है। इस अवसर पर आईटीएम ग्लोबल स्कूल की चेयरपर्सन रुचि सिंह, आईटीएम यूनिवर्सिटी के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह, आईटीएम ग्लोबल स्कूल की प्रिंसिपल गीता एस., अनीता मित्तल सहित अन्य मौजूद रहे।

ऋषि गालव स्कूल में 'स्वस्थ जीवन शैली' पर हुआ व्याख्यान

ग्वालियर। ऋषि गालव पब्लिक स्कूल में आरोग्य भारती ग्वालियर इकाई के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए 'स्वस्थ जीवन शैली' विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय रहे। इस मौके पर मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को शरीर, मन और बुद्धि के संतुलित विकास में स्वास्थ्य की भूमिका, दैनिक दिनचर्या, योग-प्राणायाम, जल सेवन, संतुलित भोजन तथा डिजिटल डिटॉक्स जैसे विषयों पर सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। इस अवसर पर डॉ. सत्यप्रकाश बत्रा, मुकेश दीक्षित, मिहिर कुमार झा, डॉ. ओमप्रकाश सोनी, महेंद्र सारस्वत, नितिन विटवेकर, नवनीत पचौरी आदि उपस्थित रहे। संचालन श्याम सिंह तोमर एवं आभार अरविन्द सिंह जादौन ने व्यक्त किया।

नागाजी में क्रिकेट टूर्नामेंट: दो टीमों ने अपने मैच जीते

ग्वालियर

नागाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज में चल रही ग्वालियर-चम्बल संभाग अंतर विद्यालय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। खेल अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि पहले मैच में लाल हायर सेकेंडरी स्कूल बिलौआ ने सनातन धर्म स्कूल ग्वालियर को 3 विकेट से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। सनातन धर्म स्कूल की टीम पहली पारी में सिर्फ 53 रन ही बना सकी, जिसे लाल स्कूल ने आसानी से पराजित कर लिया। दूसरा मैच

मॉर्निंग स्टार हायर सेकेंडरी स्कूल और केडी विद्या विहार स्कूल के बीच खेला गया।

मॉर्निंग स्टार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 169 रन बनाए। जवाब में केडी स्कूल की टीम 75 रन पर ढेर हो गई। इस प्रकार मॉर्निंग स्टार स्कूल 94 रनों से विजयी रहा। टूर्नामेंट के तहत शुक्रवार को आरकेवीएम स्कूल बनाम श्री राम शरण स्कूल और किड्डीज कार्नर स्कूल बनाम सहारा पब्लिक स्कूल के बीच मुकाबले होंगे। इस अवसर पर पूर्व डीन (अकादमिक) डॉ. अरविंद पाराशर और प्रशासनिक अधिकारी अजय नरवरिया विशेष रूप से मौजूद रहे।

मढ़ैया में सो रहा बालक चोटिल, बड़ा हादसा टला

तेज रफ्तार कार किसान के घर में घुसी, तीन घायल

भितरवार

बुधवार रात बागवई गांव में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर किसान के घर में जा घुसी, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। इस दुर्घटना में कार सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि घर की मड़ैया में सो रहा एक बालक भी चोटिल हुआ।

जानकारी के अनुसार रात 10:30 बजे के करीब भितरवार से ग्वालियर की ओर जा रही क्रेटा कार क्रमांक एमपी 41- सीबी 2512 ग्राम बागवई स्थित किसान बाबूलाल बघेल के घर में घुस गई। कार तेजी से घर की कच्ची मड़ैया पर चढ़ गई और पलटकर पास के नीम के पेड़ से जा टकराई। मड़ैया में सो रह बालक के चोटिल होने से किसान के घर में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों की मदद से गंभीर रूप से घायलों को कार से निकालकर पुलिस ने भितरवार अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान भिंड जिले के गोरमी निवासी लोकेंद्र जाटव पुत्र सागर जाटव, सौरभ पुत्र मनोज कुमार जाटव ग्वालियर और विजय कुमार पुत्र राकेश कुमार जाटव ग्वालियर के रूप में हुई। तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया। इनमें लोकेंद्र जाटव की स्थिति ज्यादा नाजुक बताई गई है।

किसान बाबूलाल बघेल ने बताया कि कार में सवार तीनों युवक शराब के नशे में धुत थे। गांव के इस अंधे मोड़ पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, परंतु प्रशासन द्वारा अब तक कोई सुरक्षा के उपाय नहीं किए गए हैं। गुरुवार को सुबह घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा नेता बिजेंद्र गुर्जर, दिमान सिंह गुर्जर सहित कई लोग किसान के घर पहुंचे। जिन्होंने बागवई गांव के इस अंधे मोड़ पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग प्रशासन से की है।

उल्लेखनीय है कि गांव में इस अंधे मोड़ की वजह से पिछले वर्ष एक टूरिस्ट बस इसी किसान के घर में घुस गई थी और आठ रोज पहले भी एक कार अनियंत्रित होकर उक्त किसान के घर में घुस गई थी। इसी प्रकार एक कंबाइन मशीन अंधे मोड़ पर पलट कर खेतों में जा गिरी थी। अगर समय रहते प्रशासन ने दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाया तो कभी भी बड़ी घटना हो सकती है।

जबलपुर, सारनी व अमरकंटक का विजयी आगाज

47वीं विद्युत मंडल अंतरक्षेत्रीय राज्यस्तरीय हॉकी प्रतियोगिता

ग्वालियर

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ग्वालियर की मेजबानी में जिला खेल परिसर में गुरुवार से शुरू हुई 47वीं राज्य स्तरीय अंतर क्षेत्रीय विद्युत मंडल हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिसमें सारनी, चचाई (अमरकंटक) और जबलपुर क्षेत्र की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंदी टीमों को शिकस्त दी।

प्रतियोगिता का शुभारंभ विनोद कटारे मुख्य प्रबंधक विद्युत मंडल ग्वालियर संभाग के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर विद्युत मंडल ग्वालियर शहर के महाप्रबंधक संदीप कालरा, ग्वालियर ग्रामीण वृत्त के महाप्रबंधक पीआर पाराशर विशेष रूप से मौजूद रहे। उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएं दी और खेल भावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के संयोजक संतोष विट्ठल उपमहाप्रबंधक दक्षिण संभाग ग्वालियर, पूर्व हॉकी खिलाड़ी मदन गुप्ता, अजय नामदेव, कमल किशोर, शकील अफरीदी, ऑब्जर्वर संजय केने मौजूद रहे। राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी दिलशाद खान ने बताया कि गुरुवार को प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच सारनी तथा इंदौर क्षेत्र के बीच खेला गया। जिसमें सारनी ने जीत दर्ज की। वहीं चचाई (अमरकंटक) ने बिरसिंगपुर की टीम को शिकस्त दी। दिन के अंतिम मुकाबले में जबलपुर क्षेत्र ने भोपाल क्षेत्र को पराजित किया। शुक्रवार को पहला मैच खंडवा और जबलपुर क्षेत्र के बीच तथा दूसरा मैच मेजबान ग्वालियर तथा सागर क्षेत्र के बीच खेला जाएगा।

संपादकीय

पंजाब का जल संकट

निस्संदेह, पंजाब इन दिनों दोहरे जल संकट से जूझ रहा है। एक ओर जहां अंधाधुंध भू-गर्भीय जल के दोहन से उसका जलस्तर गिर रहा है, वहीं कीटनाशकों व रासायनिक खादों के बेतहाशा इस्तेमाल से पानी जहरीला होता जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय भूजल बोर्ड यानी सीजीडब्ल्यूबी के नवीनतम आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। संस्था के नवीनतम निष्कर्ष बताते हैं कि पंजाब 156.36 फीसदी भूजल दोहन के साथ इसके अत्यधिक इस्तेमाल में देशभर में अग्रणी है। जो इस बात को रेखांकित करता है कि पंजाब में इसके जलस्त्रोतों का कितने खतरनाक ढंग से अत्यधिक दोहन किया जा चुका है। लेकिन यह संकट यही समाप्त नहीं हो जाता। इस संकट से जुड़ी त्रासदी यह भी है कि सीजीडब्ल्यूबी की नवीनतम वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 बताती है कि पंजाब में परीक्षण किए गए भूजल के 62.5 फीसदी नमूनों में यूरेनियम सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक मात्रा में पाया गया है। निश्चित रूप से भू-गर्भीय जल के अत्यधिक दोहन और पानी की गुणवत्ता में गिरावट में गहरा संबंध है। दरअसल, अत्यधिक भूजल दोहन से पानी का स्तर नीचे चला जाता है, जिसके चलते गहरे बोरवेल लगाने पड़ते हैं। जो भूगर्भीय रूप से अस्थिर, खनिज-समृद्ध परतों से पानी खींचते हैं। जो अक्सर यूरेनियम, आर्सेनिक, नाइट्रेट या लवणता से भरी होती हैं। इसके साथ ही, दशकों से चली आ रही सघन कृषि, अधिक सिंचाई वाली फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिये भारी मात्रा में सिंचाई और रासायनिक उर्वरकों की जरूरत होती है। जिसके चलते भूजल व मिट्टी दोनों ही में प्रदूषकों का रिसाव तेज हो जाता है। इस भयावह संकट को पिछले दिनों राज्यसभा में राजनीतिक आवाज तब मिली, जब सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में विषाक्त जल संकट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने चेताया था कि भारी धातुओं और रेडियोधर्मी प्रदूषकों वाला पानी आम लोगों के स्वास्थ्य पर घातक असर डाल रहा है। ऐसा करके उन्होंने देश के नीति नियंताओं को आईना दिखाने का प्रयास ही किया है। दरअसल, आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में इस चिंता को अभिव्यक्त करके, पर्यावरणीय आंकड़ों के जरिये लंबे समय से दिए जा रहे संकेतों को स्पष्ट रूप से उजागर ही किया है। हमें इस बात का अहसास होना चाहिए कि यह अब कोई दूरगामी पर्यावरणीय चिंता नहीं बल्कि हमारे सामने एक उभरती हुई जन-स्वास्थ्य की आपात स्थिति ही है। देश में अकसर उस ट्रेन का जिक्र किया जाता रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में पंजाब के लोग कैंसर के उपचार के लिये राजस्थान के विभिन्न अस्पतालों में जाया करते हैं। जिसे अकसर कैंसर ट्रेन के नाम से पुकारा भी जाता रहा है। निस्संदेह, राज्य के कुओं, बोरवेल या हैंडपंप पर निर्भर लाखों पंजाबियों के लिये, इसका मतलब है कि उनके लिये रोजाना पीने का पानी ही स्वास्थ्य खतरा बन सकता है। जिसके उपयोग से उनके गुर्दे की क्षति, कैंसरकारी घातक प्रभाव और प्रजनन व शारीरिक विकास संबंधी नुकसान हो सकता है। निस्संदेह, इस दिशा में तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की सख्त आवश्यकता है। समय की मांग है कि तत्काल प्रभाव से भूजल के अंधाधुंध दोहन पर सख्त अंकुश लगाया जाए। इसके लिये बेहद जरूरी है कि कृषि क्षेत्र पर ध्यान देकर, कम पानी का उपयोग करने वाली फसलों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। राज्य के हर शहर व गांव में भूजल गुणवत्ता परीक्षण की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध करायी जाए। प्रदूषित पेयजल के प्रभावी उपचार के साथ ही सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही औद्योगिक व कृषि प्रदूषकों पर नियंत्रण के लिये पारदर्शी व सख्त कानून व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वच्छ पेयजल अनंत मात्रा में उपलब्ध नहीं है। हम इसे असीमित संसाधन के बजाय एक नाजुक जीवन रेखा के रूप में देखें। यदि आज हमने समय रहते हुए पेयजल को सुरक्षित व संरक्षित नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियां पेयजल संकट से जूझने को अभिशप्त होंगी। इतना ही नहीं, उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट भी विरासत के रूप में मिलेगा। जिसके लिये वे हमें कभी माफ नहीं करेंगी।

नफासत की साड़ियां और गौरवशाली इतिहास

> राजा-महाराजाओं की पसंद रहा चंदेरी वस्त्र और राजघराने की महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली चंदेरी साड़ियों की नफासत, सोने के तारों से किया जाने वाला ताना-बाना, वर्षों से धरोहर रहा है। पौराणिक काल में चेदिराज के रूप में विख्यात चंदेरी, वेत्रवती और उर्वशी नदियों नदियों के मध्य में, विंध्याचल के पर्वतों के बीच में बसा हुआ है। बुंदेलखंड क्षेत्र का है तो यह एक छोटा-सा जिला, लेकिन यहां फैला सुकून, चारों ओर मोहित करने वाली हरियाली और वे संरचनाएं जो हमारे गौरवशाली इतिहास का प्रतीक हैं, आज बेशक अपने वास्तविक स्वरूप में नहीं हैं, फिर भी वे पर्यटकों को अपने वैभव और वास्तुशिल्प के कारण आकर्षित करती हैं। अपने भीतर सांस्कृतिक उत्कर्ष की अनेक परतें समेटे, बाहरी और भीतरी खंडों में विभाजित यह शहर अपने पुरातात्विक अवशेषों की वजह से इसके ऐतिहासिक ताने-बाने के दायरे को जानने के लिए आमंत्रित करता है।

चंदेरी मध्यप्रदेश का वह ऐतिहासिक नगर है, जहां नफासत भरी विश्वप्रसिद्ध चंदेरी साड़ियां, प्राचीन किले, महल, मस्जिदें और किंवदंतियां मिलकर इसकी अनोखी पहचान बनाते हैं। विंध्य पर्वतों के बीच बसा यह नगर अपनी सांस्कृतिक परतों, स्थापत्य सौंदर्य और शांत वातावरण से हर आगंतुक को मोहित करता है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर से लगभग 230 कि.मी. दूरी पर अशोक नगर जिले में स्थित चंदेरी का नाम लेते ही सबसे पहले नाम विश्व प्रसिद्ध चंदेरी साड़ियों का ही आता है। राजा-महाराजाओं की पसंद रहा चंदेरी वस्त्र और राजघराने की महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली चंदेरी साड़ियों की नफासत, सोने के तारों से किया जाने वाला ताना-बाना, वर्षों से धरोहर रहा है। पौराणिक काल में चेदिराज के रूप में विख्यात चंदेरी, वेत्रवती और उर्वशी नदियों नदियों के मध्य में, विंध्याचल के पर्वतों के बीच में बसा हुआ है।

बुंदेलखंड क्षेत्र का है तो यह एक छोटा-सा जिला, लेकिन यहां फैला सुकून, चारों ओर मोहित करने वाली हरियाली और वे संरचनाएं जो हमारे गौरवशाली इतिहास का प्रतीक हैं, आज बेशक अपने वास्तविक स्वरूप में नहीं हैं, फिर भी वे पर्यटकों को अपने वैभव और वास्तुशिल्प के कारण आकर्षित करती हैं। अपने भीतर सांस्कृतिक उत्कर्ष की अनेक परतें समेटे, बाहरी और भीतरी खंडों में विभाजित यह शहर अपने पुरातात्विक अवशेषों की वजह से इसके ऐतिहासिक ताने-बाने के दायरे को जानने के लिए आमंत्रित करता है। एक किंवदंती के अनुसार चंदेरी शहर की स्थापना भगवान कृष्ण के चचेरे भाई, राजा शिशुपाल ने प्रारंभिक वैदिक काल में की थी। एक अन्य किंवदंती के अनुसार इसकी स्थापना राजा चेद ने की थी, जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने लगभग 600 ईसा पूर्व इस क्षेत्र पर शासन किया था। हालांकि, गुर्जर-प्रतिहार वंश के राजा कीर्तिपाल ने लगभग 11वीं शताब्दी ईस्वी में अपनी राजधानी पुराने चंदेरी (बूढ़ी चंदेरी) से वर्तमान चंदेरी शहर में स्थानांतरित किया था। यहां 150 हिंदू मंदिर हैं और लगभग 130 मस्जिद। समन्वय को दशार्ते इस शहर में देखने को बहुत कुछ है। कटी घाटी जो मात्र एक फाटक है, इसका प्रवेश द्वार है। यह चंदेरी के दक्षिणी किनारे पर स्थित है और बुंदेलखंड और मालवा के बीच एक कड़ी का काम करता था। एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित कीर्ति दुर्ग नामक विशाल चंदेरी किले का निर्माण 11वीं शताब्दी में राजा कीर्तिपाल ने किया था। यह किला विभिन्न सांस्कृतिक और स्थापत्य तत्वों का एक सम्मिश्रण भी है, जो प्रत्येक वह शासक जिसने इसे जीता था, अपने साथ लाया था। अलाउद्दीन खिलजी, बाबर और बुंदेलों ने इसका पुनर्निर्माण किया और अपनी पसंद और शैली की छाप छोड़ी। इस भव्य किले में तीन विशाल दरवाजों से प्रवेश किया जाता था, जिनमें से केवल एक ही बचा है, जिसे खूनी दरवाजा कहा जाता है। हालांकि, इसे बुंदेला दरवाजा कहा जाता था, क्योंकि इसका निर्माण बुंदेला राजपूतों ने कराया था, लेकिन इसने इतने रक्तपात देखे कि इसका नाम खूनी दरवाजा पड़ गया। कहा जाता है कि जब बाबर ने किले की घेराबंदी की, तो यह दरवाजा सचमुच खून से नहा गया था। प्रवेश करते ही बायीं तरफ है जौहर स्मारक, जो 1528 में बाबर के आक्रमण के समय 600 राजपूत महिलाओं के सामूहिक बलिदान की स्मृति में बनाया गया था। उससे थोड़ा आगे चलकर प्रसिद्ध संगीतकार बैजू बावरा की समाधि है। यहां नौखंडा महल है, जिसमें एक केंद्रीय प्रांगण, फव्वारा और टैंक है, जिसे 16वीं शताब्दी में बुंदेला राजा दुर्जन सिंह ने बनवाया था। इसी परिसर में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा निर्मित एक मस्जिद भी मौजूद है, जिसमें जटिल पत्थर की नक्काशी है, जिसमें फूलों के डिजाइन और कुरान की आयतें लिखी हैं। यह किला चंदेरी के इतिहास का मूक साक्षी है। लक्ष्मण मंदिर के पास, खेतों के बीच स्थित यह मकबरा चंदेरी के गवर्नर की बेटी मेहरुनिस्सा और एक सेनापति के प्रेम का प्रतीक है। इसे 15वीं शताब्दी में गवर्नर ने ही बनवाया था। गवर्नर को उन्हें अलग करने के लिए सेनापति को युद्ध पर भेजा और सैनिकों से कहा कि वह युद्ध से जिंदा वापस न लौटे। यह जान शहजादी ने रोजा रखे। सेनापति बच गया और चंदेरी वापस आ गया। वह घायल था। मेहरुनिस्सा उससे जब मिली तो वह आखिरी सांसें ले रहा था। मेहरुनिस्सा ने भी तभी अपने प्राण त्याग दिए। शहजादी का रोजा नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि शहजादी ने रोजे रखे हुए थे। गवर्नर ने यह मकबरा बनवाया। उन्होंने दोनों प्रेमियों को इसी मकबरे में दफनाया। तब वहां चारों ओर पानी था, कहा जाता है कि वह हर शाम नाव से इस मकबरे पर आता था। यह भव्य संरचना 12 फीट ऊंचे चबूतरे पर बनी है। कभी इसके शीर्ष पर स्थित गुंबद अब मौजूद नहीं है। बाहरी अग्रभाग के दो तल छज्जों से अलग हैं। दोनों तलों पर ये छज्जे अतिरिक्त रूप से सपार्कार ब्रैकेट पर टिके हैं। अवशेष एक कहानी सुनाते हैं, यह इस स्थान को देख समझा जा सकता है। इसका निर्माण सुल्तान महमूद शाह खिलजी ने 1450 में करवाया था। संभवतः इसे महल में आने वाले गणमान्य अतिथियों के स्वागत द्वार के रूप में बनवाया गया था। जैसा कि नाम से पता चलता है, यह संभवतः बादल महल या ह्यबादलों में महलह्ण नामक महल का प्रवेश द्वार था। हालांकि, अब ऐसा कोई महल नहीं बचा है। यह किले की दीवारों के भीतर स्थित है और दोनों ओर सुंदर ढंग से सजे बगीचों से होकर यहां पहुंचा जा सकता है। इसमें दो विशाल, पतले बुर्ज हैं जो उनके बीच दो मेहराबों को घेरे हुए हैं। इन दोनों मेहराबों के बीच जेल के आकार के खंड हैं। कभी इन दोनों मेहराबों के बीच कोष्ठकों पर टिका एक छज्जा हुआ करता था। बादल महल द्वार से कुछ सौ मीटर की दूरी पर स्थित, जामा मस्जिद तीन गुंबदों वाली एक भव्य इमारत है। इसके प्रवेश द्वार पर विभिन्न ज्यामितीय और पुष्प आकृतियों की नक्काशी है। भीतर एक आंगन उत्तर और दक्षिण दिशा में स्तंभों वाले मठ हैं, जबकि पश्चिम दिशा में प्रार्थना कक्ष है। इस पश्चिमी छोर पर तीन सफेद संगमरमर के गुंबद हैं। एक दिलचस्प विशेषता यह है कि मस्जिद में कोई मीनार नहीं है। इसमें प्रवेश करते ही सबसे पहले दोनों ओर बने सुंदर बगीचे ध्यान खींचते हैं। इसका निर्माण मालवा के सुल्तान महमूद शाह खिलजी ने 1445 ई. में जौनपुर के सुल्तान महमूद शर्की पर कालपी के युद्ध में अपनी विजय के उपलक्ष्य में करवाया था। इस महल की खासियत यह है कि इसकी मंजिलों पर तीन अलग शैलियां दिखती हैं, जैसे अफगानी, मालवा और बुंदेलखंडी। कहा जाता है कि इसकी सात मंजिल थीं, लेकिन वर्तमान में सात मंजिलों में से केवल चार ही बची हैं, तीन पूरी तरह से और चौथी मंजिल का एक हिस्सा।

अर्थव्यवस्था की हालत ठीक नहीं है

> हालांकि यह दुख की बात है मोदी सरकार अपनी इस नाकामी को न मान रही है, न उसमें सुधार के लिए कोई काम करती दिख रही है। 11 सालों में एक बार भी ऐसा नहीं हुआ कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण रुपये की कीमत में सुधार आया हो। बल्कि लगातार गिरावट ही दर्ज होती रही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार कहा था कि रुपया कमजोर नहीं हो रहा, डॉलर मजबूत हो रहा है, लेकिन इस बार उनका ऐसा बेतुका तर्क भी सरकार का बचाव नहीं कर पाएगा, क्योंकि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स तो स्थिर ही है। दरअसल भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों का घटता भरोसा रुपए की गिरावट का अहम कारण बन रहा है ।बताया जा रहा है कि भारत और अमेरिका में व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई ।वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,642 करोड़ रुपये की बिकवाली की। इस वर्ष भारत ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में 16 से 18 अरब डॉलर की निकासी देखी, जबकि शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग 30 अरब डॉलर के आसपास स्थिर रहा। यानी भारतीय बाजार से डॉलर अधिक निकले और निवेश कम हुए। इसके साथ ही, हर महीने वस्तु व्यापार घाटा 25-30 अरब डॉलर के बीच रहा। देश से पूंजी का बाहर जाना और आयात की मांग बढ़ना इन वजहों से रुपया कमजोर होता गया ।रुपए में यकायक कोई बड़ी गिरावट नहीं आई, यह सिलसिला कई महीनों से चल रहा है।

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर था, लेकिन यह गिरावट यहीं नहीं थमी, बल्कि गुरुवार को एक डॉलर की कीमत 90 रुपए 42 पैसे हो गई। 2025 में रुपया 4 से 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ एशिया में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में शामिल हो गया है। हालांकि यह दुख की बात है मोदी सरकार अपनी इस नाकामी को न मान रही है, न उसमें सुधार के लिए कोई काम करती दिख रही है। 11 सालों में एक बार भी ऐसा नहीं हुआ कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण रुपये की कीमत में सुधार आया हो। बल्कि लगातार गिरावट ही दर्ज होती रही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार कहा था कि रुपया कमजोर नहीं हो रहा, डॉलर मजबूत हो रहा है, लेकिन इस बार उनका ऐसा बेतुका तर्क भी सरकार का बचाव नहीं कर पाएगा, क्योंकि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स तो स्थिर ही है। दरअसल भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों का घटता भरोसा रुपए की गिरावट का अहम कारण बन रहा है ।बताया जा रहा है कि भारत और अमेरिका में व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई ।वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,642 करोड़ रुपये की बिकवाली की। इस वर्ष भारत ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में 16 से 18 अरब डॉलर की निकासी देखी, जबकि शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग 30 अरब डॉलर के आसपास स्थिर रहा। यानी भारतीय बाजार से डॉलर अधिक निकले और निवेश कम हुए। इसके साथ ही, हर महीने वस्तु व्यापार घाटा 25-30 अरब डॉलर के बीच रहा। देश से पूंजी का बाहर जाना और आयात की मांग बढ़ना इन वजहों से रुपया कमजोर होता गया ।रुपए में यकायक कोई बड़ी गिरावट नहीं आई, यह सिलसिला कई महीनों से चल रहा है। लेकिन मोदी सरकार देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताती रही। अभी सितंबर तिमाही 2025 में, भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8.2प्रतिशत रही है, ऐसा दावा सरकार ने किया और उस पर अपनी पीठ भी थपथपाई। लेकिन इसी दौरान रुपये का मूल्य लगभग 5 प्रतिशत गिर गया, उस पर सरकार ने कुछ नहीं कहा। गौरतलब है कि भारत तेल, कच्चा माल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी का आयात करता है, जिसका भुगतान डॉलर में होता है, वहीं, उच्च अमेरिकी ब्याज दरों से आकर्षित होकर वैश्विक निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों से पैसा बाहर निकाल रहे हैं, इससे भी डॉलर की आवश्यकता बढ़ रही है, जबकि आने वाले डॉलर की आपूर्ति घट रही है। जब डॉलर की मांग रुपये की मांग से अधिक हो जाती है, तो रुपये का मूल्य गिरना तय है। ज्यादा आयात, धीमे निर्यात और अस्थिर पूंजी प्रवाह रुपये की गिरावट का मुख्य कारण हैं। और यह गिरावट अब महंगाई को बढ़ाएगी यह तय है।

नागा संस्कृति के साझे रूप का उत्सव

> नागालैंड की इन विभिन्न जातियों को अक्सर उनकी भौगोलिक दूरियों और ऐतिहासिक कारणों से एक-दूसरे से पृथक माना गया है। लेकिन साल 2000 से शुरू हुए एक उत्सव ने इन सभी जनजातियों को इंद्रधनुषी धागे में पिरोकर एक कर दिया है और यह उत्सव है- हॉर्नबिल महोत्सव। आज इसे पूरी दुनिया ह्यफेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्सह्ण के नाम से जानती है। इस महोत्सव के कारण नागालैंड की सारी जनजातियां 1 से 10 दिसंबर तक जब यह सालाना महोत्सव सम्पन्न होता है, तब इंद्रधनुषी धागे में गुंथकर एक हो जाती हैं और फिर अपनी साझी सतरंगी आभा बिखेरती हैं। वास्तव में हॉर्नबिल महोत्सव नागालैंड की जनजातीय लोकस्मृति का आख्यान है। पिछली सदी के आखिरी दशक में नागालैंड में सरकार के स्तर पर यह महसूस किया गया कि यहां अलग-अलग जनजातियों के कारण पारंपरिक धरोहरें तेजी से आधुनिकता के दबाव में गायब होती जा रही हैं। इसलिए तत्कालीन सरकार ने नागालैंड की सभी जनजातियों के युवाओं के बीच एक साझे महोत्सव की कल्पना की, ताकि इनके बीच अपनी अपनी जनजातियों के पारंपरिक ज्ञान और रीति-रिवाजों को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए हॉर्नबिल जैसे एक फेस्टिवल की परिकल्पना की। यह सोच इतनी सही और संवेदनशील साबित हुई कि महज एक दशक में ही हॉर्नबिल महोत्सव ने न केवल समूचे नॉर्थ ईस्ट को बल्कि पूरे भारत को अपने सांस्कृतिक चुंबकत्व से दीवाना बना दिया। हॉर्नबिल महोत्सव नाम भारत के एक पक्षी पर रखा गया है, जो नागालैंड में खासतौर पर लोककथाओं और प्रतीकात्मकता का प्रधान हिस्सा है। हॉर्नबिल महोत्सव हर साल दिसंबर में नागालैंड की राजधानी कोहिमा के पास स्थित किसामा हेरिटेज विलेज में आयोजित होता है।

हॉर्नबिल महोत्सव नागालैंड की सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत उत्सव है, जो हर साल 1-10 दिसंबर को कोहिमा के पास किसामा हेरिटेज विलेज में आयोजित होता है। इस महोत्सव में नागा जनजातियों के पारंपरिक गीत, नृत्य, कला, शिल्प, भोजन, और आधुनिक कार्यक्रम जैसे रॉक कंसर्ट और बाइक रैली का प्रदर्शन होता है। भारत की उत्तर-पूर्वी पहाड़ियों में बसे नागालैंड की पहचान, जितनी उसकी पहाड़ी सुंदरता से बनती है, उससे कहीं ज्यादा यह उसकी जनजातीय संस्कृति से निर्मित होती है। नागालैंड में 17 से अधिक प्रमुख जनजातियां हैं, इन सबकी अपनी अलग-अलग भाषाएं, परंपराएं, पोशाकें, मिथक, नृत्य-गीत और जीवनशैली है। नागालैंड की इन विभिन्न जातियों को अक्सर उनकी भौगोलिक दूरियों और ऐतिहासिक कारणों से एक-दूसरे से पृथक माना गया है। लेकिन साल 2000 से शुरू हुए एक उत्सव ने इन सभी जनजातियों को इंद्रधनुषी धागे में पिरोकर एक कर दिया है और यह उत्सव है- हॉर्नबिल महोत्सव। आज इसे पूरी दुनिया ह्यफेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्सह्ण के नाम से जानती है। इस महोत्सव के कारण नागालैंड की सारी जनजातियां 1 से 10 दिसंबर तक जब यह सालाना महोत्सव सम्पन्न होता है, तब इंद्रधनुषी धागे में गुंथकर एक हो जाती हैं और फिर अपनी साझी सतरंगी आभा बिखेरती हैं। वास्तव में हॉर्नबिल महोत्सव नागालैंड की जनजातीय लोकस्मृति का आख्यान है। पिछली सदी के आखिरी दशक में नागालैंड में सरकार के स्तर पर यह महसूस किया गया कि यहां अलग-अलग जनजातियों के कारण पारंपरिक धरोहरें तेजी से आधुनिकता के दबाव में गायब होती जा रही हैं। इसलिए तत्कालीन सरकार ने नागालैंड की सभी जनजातियों के युवाओं के बीच एक साझे महोत्सव की कल्पना की, ताकि इनके बीच अपनी अपनी जनजातियों के पारंपरिक ज्ञान और रीति-रिवाजों को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए हॉर्नबिल जैसे एक फेस्टिवल की परिकल्पना की। यह सोच इतनी सही और संवेदनशील साबित हुई कि महज एक दशक में ही हॉर्नबिल महोत्सव ने न केवल समूचे नॉर्थ ईस्ट को बल्कि पूरे भारत को अपने सांस्कृतिक चुंबकत्व से दीवाना बना दिया। हॉर्नबिल महोत्सव नाम भारत के एक पक्षी पर रखा गया है, जो नागालैंड में खासतौर पर लोककथाओं और प्रतीकात्मकता का प्रधान हिस्सा है। हॉर्नबिल महोत्सव हर साल दिसंबर में नागालैंड की राजधानी कोहिमा के पास स्थित किसामा हेरिटेज विलेज में आयोजित होता है। इस उत्सव में जनजातीय संस्कृति का भव्य प्रदर्शन

होता है। इस जीवंत सांस्कृतिक दर्शन से रूबरू होने को अब पूरे नॉर्थइईस्ट, समूचे भारत और विदेशों से भी लोग आते हैं। यह उत्सव नागाओं की सामुदायिक संरचना को व्यापक बनाता है। इस उत्सव में गाये जाने वाले परंपरागत युद्ध गीत और नृत्य, लकड़ी की नक्काशी व रंगीन आभूषणों की प्रदर्शनी सबका मन मोह लेती है। इस सांस्कृतिक उत्सव हॉर्नबिल में पारंपरिक व्यंजनों का अलग ही आकर्षण रहता है। इस उत्सव के दौरान हेरिटेज विलेज किसामा समूचे नागालैंड का सांस्कृतिक उत्सव बनकर सामने आता है। प्रत्येक जनजाति का सामुदायिक घर, इस हेरिटेज विलेज में अपने पारंपरिक रूप में तैयार किया जाता है। जहां इस दौरान आग जलती है, लोग इसके इर्दगिर्द बैठकर कहानियां सुनाते हैं और देश-विदेश से आये पर्यटक नागालैंड की जनजातियों की अनकही बारीकियां देखते, समझते हैं। हॉर्नबिल महोत्सव ने नागालैंड की सभी जनजातियों को एक साझे पुल के जरिये जोड़ दिया है। पहले तो अलग-अलग जनजातियां एक-दूसरे के अस्तित्व को नहीं स्वीकारती थीं। इस महोत्सव के शुरू होने के बाद अब उन सभी जनजातियों में पूरे साल ये होड़ रहती है कि हॉर्नबिल महोत्सव में कौन-सी जनजाति अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति से सबका मन मोह लेगी। इस प्रतिस्पर्धा के कारण नागालैंड की जनजातीय संस्कृति जो 2000 के पहले डूबने के कगार पर थी, अब पूरे नागालैंड में सभी समुदायों की अपनी अपनी संस्कृति विकास के चरम पर है। हॉर्नबिल केवल अपने अतीत का वैभव प्रस्तुत करने के अलावा युवा रॉक कंसर्ट, बाइक रैली, एडवेंचर स्पोर्ट्स, फैशन शो, फोटोग्राफी एक्सपोर्ट और फूड फेस्ट का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन करते हैं। यह महोत्सव आधुनिकता के साथ-साथ अपनी परंपराओं का उत्सव मनाता है और अपनी परंपराओं को आधुनिकता का पूरक बनाता है। इस महोत्सव के शुरू होने के बाद जिस तरह से नागालैंड में जनजातियों के बीच भाईचारा, एकता और अपने को श्रेष्ठ साबित करने की आंतरिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया है, इसके कारण इस सांस्कृतिक महोत्सव ने नागालैंड को सांस्कृतिक रूप से पुनर्जीवित किया है। नागालैंड का बड़ा हिस्सा आज भी ग्रामीण और हस्तशिल्प आधारित अर्थव्यवस्था पर चलता है। हॉर्नबिल महोत्सव यहां के स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, किसानों और पकवान बनाने वालों तथा लकड़ी के शिल्पकारों के लिए जितनी साझी खुशियां लाता है, उससे कहीं ज्यादा साझा कारोबार लाता है। इससे स्थानीय होटलों, ट्रांसपोर्ट और होम स्टे की कमाई कई गुना हो जाती है।

मनोरंजन

न्यूजीलैंड पर भारी पड़ रहे शाई होप, चौथा टेस्ट शतक जड़ा

क्राइस्टचर्च। वेस्टइंडीज के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मुकाबले में शानदार शतक जड़ा और टीम की जीत की उम्मीदों को जीवित रखा है। वेस्टइंडीज के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप ने शुक्रवार को बड़ा धमाका किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मुकाबले में 32 वर्षीय बल्लेबाज ने शानदार शतक जड़ा और टीम की जीत की उम्मीदों को जीवित रखा है। बता दें कि, न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मुकाबला क्राइस्टचर्च में खेला जा रहा है। आज इस मैच का चौथा दिन है। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 231 रन बनाए जिसके जवाब में की टीम अपनी पहली पारी में 167 रन बना सकी और न्यूजीलैंड को 64 रनों की बढ़त मिल गई। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने आठ विकेट खोकर 466 रन बनाए और पारी डिक्लेयर कर दी। इस तरह वेस्टइंडीज को 530 रनों का लक्ष्य मिला।

फोर मोर शॉट्स प्लीज के आखिरी सीजन की रिलीज डेट का एलान, कब और कहां देखें?

लोकप्रिय सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज के फाइनल यानी आखिरी सीजन की रिलीज डेट का एलान हो चुका है। जानिए इसे कब और कहां देख सकेंगे? चर्चित सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज के फाइनल सीजन का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए खुशखबरी है। सीरीज के फाइनल सीजन की रिलीज डेट का एलान हो चुका है। सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगारू अभिनीत सीरीज का दर्शक इसी महीने लुत्फ उठा सकेंगे। प्राइम वीडियो ने साझा किया अपडेट इंटरनेशनल एमी नॉमिनेटिड सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज को दुनियाभर के दर्शक 19 दिसंबर से देख सकेंगे। इस तारीख से सीरीज का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर होगा। आज शुक्रवार को प्राइम वीडियो से एक पोस्ट शेयर कर रिलीज डेट पर अपडेट दिया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'आप ओजी गैंग की मीट-अप में आमंत्रित हैं'। क्या है फाइनल सीजन की कहानी? सीरीज के इस फाइनल सीजन का एलान इस साल जुलाई में एक पोस्टर रिलीज के साथ किया गया था। बता दें कि इस सीरीज में आज की महिलाओं की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को दिखाया गया है। सीजन 4 में शो की लीडिंग लेडीज दामिनी, अंजना, सिद्धी और उमंग ये जानने वाली हैं कि उन्हें किसी और का नंबर वन बनने की जरूरत नहीं, बल्कि वो खुद अपनी लाइफ की हीरो हैं। क्योंकि खुशी कोई लग्जरी नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है। ये सितारे हैं सीरीज का हिस्सा? इस बार कुछ नए चेहरे भी नजर आएंगे और शो की फेमस गर्ल्स ट्रिप्स तो हैं ही। सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगरू के अलावा लीजा रे, प्रतीक बब्बर, राजीव सिद्धार्थ, अंकुर राठी और मिलिंद सोमन सरीखे सितारे भी नजर आएंगे। अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी माटियानी द्वारा निर्देशित इस सीजन को देविका भगत ने लिखा है। इसके डायलॉग्स ईशिता मोइत्रा के हैं। हालांकि, अभी चौथे सीजन की रिलीज डेट जारी नहीं की गई है।

अवॉर्ड फंक्शन में सितारों से सजी महफिल, अहान पांडे से लेकर अनीत पड्डा तक पहुंचे बॉलीवुड सेलेब्स

मुंबई के एक इवेंट में बॉलीवुड की हस्तियां पहुंचीं हैं और शानदार आउटफिट में पोज दिए हैं। आइए जानते हैं इवेंट में कौन-कौन पहुंचा है।

मुंबई में एक अवॉर्ड फंक्शन का आयोजन किया गया है। इसमें कई फिल्मी हस्तियां पहुंची हैं। फंक्शन में जो सितारे पहुंचे हैं उनमें अहान पांडे, अनीत पड्डा, कृति सेनन, विक्की कौशल और हिना खान जैसे कई सितारे पहुंचे हैं। सभी ने पैपराजी को शानदार पोज दिए हैं। आइए डालते हैं एक नजर। अवॉर्ड फंक्शन में नेशनल क्रश अनीत पड्डा पहुंचीं। उन्होंने ऑफ शोल्डर ब्लैक ड्रेस में अपने हुस्न के जलवे दिखाए। अहान पांडे फॉर्मल ड्रेस में अवॉर्ड फंक्शन में पहुंचे। उनके ब्लेजर पर शानदार कढ़ाई थी। पैपराजी को पोज देते हुए वह हंसते मुस्कुराते नजर आए। अवॉर्ड फंक्शन में कृति सेनन स्लिम फिट ड्रेस में पहुंची हैं। उन्होंने पैपराजी को कई शानदार पोज दिए हैं। वह अपनी नई फिल्म 'तेरे इश्क में' को लेकर सुर्खियों में हैं।

आर्थिक तंगी से जूझ रहा पुष्पा 2 की भगदड़ में घायल हुआ बच्चा, अल्लू अर्जुन नहीं तरफ से नहीं मिली मदद? टीम ने दी सफाई

पुष्पा 2 द रूल की रिलीज के दौरान हुई भगदड़ की घटना तो सबको अच्छे से याद होगी। ठीक एक साल पहले जब अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 रिलीज हुई थी तो यहां मची भगदड़ के दौरान एक 8 साल के बच्चा श्रीतेज गंभीर रूप से घायल हो गया था, जबकि उसकी मां रेवती की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद एक्टर ने रेवती के परिवार को 2 करोड़ की मदद का आश्वासन दिया था। वहीं, अब हाल ही में श्रीतेज को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है। उसके पिता का कहना है कि वह अभी भी पैसे की तंगी से जूझ रहे हैं। थिएटर में मची भगदड़ में घायल हुआ श्रीतेज महीनों तक अस्पताल में भर्ती रहा। उसे ज़ुप्डै अस्पताल से 146 दिनों के इलाज के बाद छुट्टी दी गई। वहीं, हाल ही में एक साल बाद श्रीतेज के पिता ने बताया कि आज भी उनके बेटे को हर महीने इलाज के लिए 90,000 की जरूरत पड़ती है। इसके अलावा और इलाज से जुड़े खर्चे हैं। श्रीतेज के पिता मगुदमपल्ली ने कहा, श्मेरा बेटा आज एक साल बाद भी खुद से ठीक से खा-पी नहीं सकता। ना ही ठीक से सांस ले पाता है। मुझ पर अकेले ही बेटे, बेटी और बूढ़ी मां की देखभाल की जिम्म्मेदारी है। उन्होंने आगे बताया कि वह एक सोने की दुकान पर भी काम करते थे, लेकिन बेटे की देखभाल के लिए उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी। बेटे के मेडिकल ट्रीटमेंट पर हर महीने करीब 1.25 लाख खर्च करने पड़ते हैं। मगुदमपल्ली भास्कर ने बताया कि वादे के मुताबिक, अल्लू अर्जुन के परिवार ने 2 करोड़ रुपये उनके बैंक खाते में जमा किए थे। लेकिन इन पैसों के ब्याज से उनके बढ़ते खर्च पूरे नहीं हो रहे। अल्लू अर्जुन और उनकी टीम से और मदद के लिए संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि तब श्रीतेज के रिहैबिलिटेशन का ध्यान रखने का वादा किया गया था। लेकिन अब कोई जवाब नहीं मिला है। इसी साल श्रीतेज के पैरों की सर्जरी पर 3 लाख खर्च हुए हैं। दूसरी ओर, जब अल्ल्लू अर्जुन की टीम से संपर्क किया तो एक्टर के प्रवक्ता ने कहा कि वे गुरुवार को एक इवेंट में प्रोड्यूसर बनी वास द्वारा दिए गए बयान पर कायम हैं। गुरुवार को बनी वास से एक इवेंट से पूछा गया कि क्या अल्लू अर्जुन की ओर से श्रीतेज की मदद की अपील को नजरअंदाज करने की खबरें सच हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, यह वो स्टेज नहीं है, प्लीज। पेड्डा मानुशुलु जैसे कई इज्जतदार लोग हैं। हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वह दिल राजू गारु के जरिए कर रहे हैं। भगदड़ की घटना के बाद अल्ल्लू अर्जुन के प्रोड्यूसर पिता अल्लू अरविंद ने घोषणा की थी कि वह पीड़ित के परिवार को 2 करोड़ की आर्थिक मदद देंगे। इसमें प्रोड्यूसर मैथरी मूवी मेकर्स की तरफ से 1 करोड़ और डायरेक्टर सुकुमार की तरफ से 50-50 लाख शामिल हैं। इसके लिए तेलंगाना फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और प्रोड्यूसर दिल राजू को मीडिएटर बनाया गया था। उन्होंने आगे कहा, श्रीतेज का परिवार किसी भी समय पेड्डा मानुशुलु से संपर्क कर सकता है। अल्लू अर्जुन का उनसे कोई सीधा संपर्क नहीं है। प्रोड्यूसर ने आगे कहा, हम खास गाइडलाइंस को फॉलो कर रहे हैं। हम यह तय कर रहे हैं कि फंड कहां दिया जाना चाहिए, जिसमें मेडिकल के खर्चे और दूसरी बातों के लिए इसका इस्तेमाल शामिल है। हमने एक सिस्टम बनाया है। अगर वे नाखुश हैं या पैसा काफी नहीं है, तो वे पेड्डा मानुशुलु से बात कर सकते हैं। हम उन सभी दिक्कतों को ठीक करेंगे।

देशभक्ति, खुफिया चुनौती और दमदार अभिनय से भरपूर एक रोमांचक फिल्म

फिल्मः धुरंधर निर्देशक,लेखकः आदित्य धर

कलाकारः रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, राकेश बेदी रेटिंगः 4 स्टार कई बार फिल्में सिर्फ निर्देशक या स्टारकास्ट के नाम पर चलती हैं, लेकिन जब एक लाजवाब निर्देशक अपने बेहतरीन कलाकारों के साथ मिलकर फिल्म बनाता है, तो वह दर्शकों के लिए एक धमाका साबित होती है। ह्यधुरंधरह्न ऐसी ही फिल्म है जो सिर्फ स्क्रीन पर नहीं, बल्कि दिल और दिमाग पर भी तूफान की तरह चलती है। यह केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है

जो लंबे समय तक याद रहता है। आदित्य धर ने साबित कर दिया कि वे सिर्फ बड़े पैमाने पर फिल्में नहीं बनाते, बल्कि हर किरदार में इंसानियत, संवेदना और गहराई भर देते हैं। कहानी फिल्म की कहानी असली घटनाओं से प्रेरित है, और यही इसकी सबसे बड़ी मजबूती है। शुरूआत से ही माहौल इतना टाइट है कि दर्शक तुरंत कहानी के अंदर खिंच जाते हैं। राजनीतिक हलचल, खुफिया एजेंसियों की चुनौतियां और देश पर मंडराता खतरा संतुलित अंदाज में पेश किया गया है। फिल्म में असली घटनाओं की फुटेज का इस्तेमाल इसे और प्रभावशाली बनाता है। देशभक्ति का भाव साफ है, लेकिन बिना अतिशयोक्ति के, सिर्फ यह संदेश कि देश की सुरक्षा कितने संघर्ष से गुजरती है। रणवीर सिंह का किरदार हमजा गुस्से, दर्द और रहस्य से भरा है ।

कृति सेनन ने एयरपोर्ट कर्मचारी के साथ खिंचवाई तस्वीर, वायरल वीडियो में दिखी सच्चाई

कृति सेनन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कृति मुंबई एयरपोर्ट की कुछ कर्मचारियों के साथ खुशी से तस्वीरें खिंचवाती नजर आ रही हैं। कृति सेनन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच कृति का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो हाल ही में कृति सेनन मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं। एयरपोर्ट पर कुछ महिला कर्मचारी नजर आ रही हैं, जो प्यार से कृति को तस्वीर खिंचाने के लिए कहती हैं। कृति तुरंत ही दोनों महिला कर्मचारियों के साथ सेल्फी क्लिक करती हैं। कृति के साथ तस्वीर क्लिक करने के बाद दोनों महिला कर्मचारी खुशी से उछलने लगती हैं। कृति के इस व्यवहार को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। फैंस के कमेंट्स एयरपोर्ट कर्मचारी के प्रति कृति के इस व्यवहार की फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'इसीलिए यह मेरी पसंदीदा हैं', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत प्यारी हैं', एक और फैन ने लिखा, 'मैडम की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रूल करेगी', एक और फैन ने लिखा, 'एक सच्चा सितारा', एक और फैन ने लिखा, 'असली खुशी।' 'तेरे इश्क में' के बारे में 'तेरे इश्क में' एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया है। फिल्म को आनंद एल. राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने सह निर्मित किया है। इस फिल्म में कृति सेनन (मुक्ति), धनुष (फ्लाइट लेफ्टिनेंट शंकर), सुपील दहिया (इंस्पेक्टर), माहिर मोहिउद्दीन (राणा) और प्रकाश राज (विशेष भूमिका) में नजर आए हैं। यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

आमिर खान प्रोडक्शंस की हैप्पी पटेल पर सलमान खान की खास प्रतिक्रिया!

आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा से बॉलीवुड की टॉप फिल्म कंपनियों में से एक रही है, जो लगातार यादगार हिट्स देती आई है। कई सफल फिल्मों के बाद, अब यह बैनर एक मजेदार जासूसी कहानी लेकर आ रहा है, जो हंसी और ड्रामा का धमाकेदार मिश्रण दिखाने वाली है। इस नए प्रोजेक्ट का नाम हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस है।फिल्म की खास बात यह है कि इसके साथ कॉमेडियन-एक्टर वीर दास अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू कर रहे हैं। साथ ही वे फिल्म में मोना सिंह के साथ दिखाई भी देंगे। जब से प्रोडक्शन हाउस ने अनाउंसमेंट वीडियो रिलीज किया है, तब से ही लोगों में इसका उत्साह बढ़ गया है। सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के कई सितारे भी इसे लेकर अपनी खुशी जताते नजर आ रहे हैं। हाल ही में बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने भी अपने सोशल मीडिया पर यह अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया और फिल्म व प्रोडक्शन हाउस को खास तौर पर सपोर्ट किया।यह बात साफ दिखाती है कि फिल्म में बहुत दम है और लोग अभी से ही इसके लिए बहुत उत्साहित हैं। हैप्पी पटेल कोई आम कॉमेडी नहीं है बल्कि इसमें जासूसी का मजा, हल्की-फुलकी मस्ती और थोड़ा ड्रामा सब एक साथ है। अनाउंसमेंट वीडियो भी अलग लगा, जिसमें आमिर और वीर की मजेदार बातचीत दिखाई गई, और अंत में फिल्म की एक छोटी, मजेदार झलक भी दिखाई गई। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास कर रहे हैं, और यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जया बच्चन के कमेंट से नाराज पैपराजी, नाती अगस्त्या की फिल्म को लेकर पूछा- हमारे बिना इक्कीस प्रमोट कर लेंगी क्या?

बॉलीवुड एक्ट्रेस जया बच्चन अपने काम से ज्यादा अपने गुस्सैल रवैये को लेकर सुर्खियां बटोरती हैं। अभी कुछ दिनों पहले उन्होंने बताया था कि वह पैपराजी से क्यों चिढ़ती हैं। एक्ट्रेस ने कहा था कि वे गंदे-गंदे पैंट पहनकर उनकी फोटोज खींचते हैं। पता नहीं किस तरह के कमेंट पास करते हैं। इस बात से उन्हें चिढ़ होती है। वहीं, अब जया बच्चन की इस टिप्पणी पर पैपराजी ने अपना नाराजगी जाहिर की है। जया बच्चन के कमेंट के बाद से जर्नलिस्ट वरिंदर चावला ने कहा- जब अमिताभ बच्चन ने एक फैन पर चिल्लाया था, तो उस घटना को पैप्स ने स्टार के प्रति सम्मान और उनकी च्त टीम की रिक्वेस्ट की वजह से दुनिया के साथ शेयर नहीं किया था। उन्होंने दूसरी पैपराजी टीमों को सलाह दी कि वे उनके परिवार की कवरेज बंद कर दें, लेकिन उन्हें यह पता होना चाहिए कि वह जिन पैप्स को टारगेट कर रही हैं, क्या वे सभी पैप्स हैं, या उनमें यूट्यूबर्स और फैंस भी शामिल हैं? किसी को ऐसे बुरा मत बोलिए। मैंने अपने साथियों से कहा कि हम अपनी सेल्फ रिस्पेक्ट रखते हैं, और इनका बॉयकॉट करते हैं। पॉपुलर पैपराी पल्लव पालीवाल ने कहा- ये दुख की बात है, जो उन्होंने कहा। उनके पोते अगस्त्य की फिल्म इक्कीस रिलीज होने वाली है, अगर पैप्स प्रमोशन कवर करने नहीं आए तो क्या होगा? किसी को उनके लुक के आधार पर जज करना, ऐसे लोग जो दिन-रात बिना थके काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे इस जेनरेशन के मीडिया हैं और पूछा कि क्या वह पैप्स की मदद के बिना इक्कीस को प्रमोट कर सकती हैं? जया बच्चन ने उनकी पढ़ाई और बैकग्राउंड पर सवाल उठाते हुए कहा था- ये जो बाहर ड्रेनपाइप टाइट, गंदे-गंदे पैंट पहन के, हाथ में मोबाइल लेकर उन्हें लगता है कि क्योंकि उनके पास मोबाइल है, तो वे आपकी तस्वीर ले सकते हैं और जो चाहें कह सकते हैं और जिस तरह के कमेंट्स वे पास करते हैं, ये किस तरह के लोग हैं? ये कहां से आते हैं।

टूटी पलक से रोहित शर्मा ने क्या विश मांगी खुल गया राज

रायपुर। ऋषभ पंत के साथ वायरल हुए रोहित शर्मा के क्यूट वीडियो पर पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने बात की है। उन्होंने बताया कि रोहित की इच्छा विश्व कप 2027 की ट्रॉफी उठाना है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए दूसरे वनडे मैच के दौरान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत के बीच एक क्यूट मूमेंट कैमरे में कैद हो गया था। इस दौरान हिटमैन की पलकों का एक बाल टूट गया था, जिसे पंत ने उन्हें दिया था और रोहित ने विश मांग कर उसे हवा में उड़ा दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर कोई यह जानना चाहता है कि आखिर रोहित ने क्या विश मांगी? इसका जवाब सलामी बल्लेबाज के खास दोस्त और भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने दिया है। नायर ने खोला राज स्टार स्पोर्ट्स पर इस क्यूट मूमेंट के विषय में बात करते हुए नायर ने कहा, 'मैंने एक बार एक शो में कहा था कि उसकी (रोहित की) असल में बस दो इच्छाएं हैं। एक तो साफ है, 2027 का विश्व कप जीतना और दूसरा, जल्द ही, अगले मैच में सेंचुरी बनाना।' बतौर कप्तान रोहित 2023 के दौरान विश्व कप जीतने से चूक गए थे। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर उसका इंतजार और बढ़ा दिया था। शानदार फॉर्म में चल रहे हैं रोहित वनडे विश्व कप में अभी समय है

2025 में सबसे अधिक गलत बोले गए शब्दों की सूची जारी

डलास। इस साल अमेरिका में लोग कई शब्दों की सही उच्चारण नहीं कर पाए, जिनमें न्यूयॉर्क के नए मेयर जोरान मामदानी और पेरिस के लूवर म्यूजियम के नाम सबसे ज्यादा गलत बोले गए। बैबेल ने एक सूची जारी की, जिसमें बताया कि टीवी एंकर्स और नेताओं ने सालभर किन शब्दों का गलत उच्चारण किया। इस साल की खबरों में कई नामों का उच्चारण सही से नहीं किया गया, जिसने अमेरिकी नागरिकों को उलझन में डाल दिया। इनमें न्यूयॉर्क के नए मेयर जोरान मामदानी और पेरिस के मशहूर लूवर म्यूजियम का नाम भी शामिल हैं। इस साल इन दो नामों का सर्वाधिक गलत उच्चारण किया गया। दरअसल, एक सूची जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि किन नामों का सबसे ज्यादा बार गलत उच्चारण किया गया। भाषा सिखाने वाली कंपनी बैबेल और कैप्शन बनाने वाली कंपनी द कैप्शनिंग ग्रुप ने गुरुवार को यह सूची जारी की। इसमें वे शब्द हैं जिन्हें अमेरिका के टीवी एंकर, नेता और दूसरे लोग पूरे साल

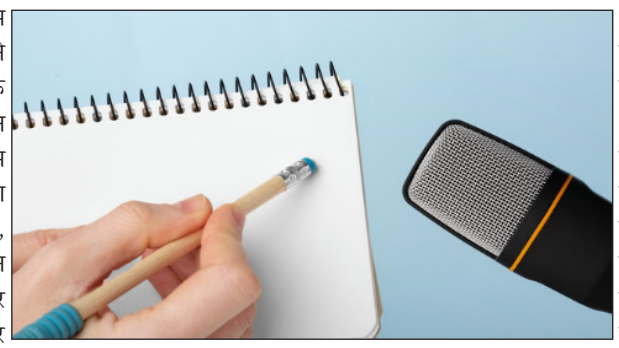

गलत बोलते रहे। इससे पता चलता है कि लोग किन चीजों के बारे में सबसे ज्यादा बात कर रहे थे। मामदानी जैसे-जैसे राजनीति में ऊपर आते गए, लोग उनके नाम को गलत बोलते रहे। जनवरी में जब वह मेयर बनेंगे, तो वह शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। वह पहले अफ्रीका में जन्मे और पहले दक्षिण एशियाई मूल के मेयर होंगे। बैबेल का कहना है कि उनके नाम का सही उच्चारण 'जो-रान माम-दानी' है। लोग उनके नाम के 'एम' और 'एन' को बदलकर गलत बोल देते हैं। मामदानी ने कहा कि अगर कोई कोशिश करता है और उनका नाम गलत बोल देता है तो उन्हें परेशानी नहीं होती, लेकिन कुछ लोग जानबूझकर गलत बोलते हैं। मेयर पद के लिए एक बहस में उन्होंने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुयोमो को कहा था- 'मेरा नाम मामदानी है।' अक्तूबर में लूवर म्यूजियम से फ्रांस के शाही जवाहरात की चोरी सुर्खियों में रही, लेकिन इसके साथ ही म्यूजियम के नाम का उच्चारण भी लोगों के लिए चुनौती बन गया। बैबेल के मुताबिक इसका सही उच्चारण लूव-र है, जिसमें 'र' बहुत हल्के स्वर में बोला जाता है। बैबेल के भाषाई विशेषज्ञ एस्टेबन टौमा का कहना है कि कठिनाई का मुख्य कारण यह है कि कई शब्द अलग-अलग भाषाओं से आते हैं और अंग्रेजी बोलने वालों को नए स्वरों को अपनाने में परेशानी होती है। सूची में अन्य कौन शब्द शामिल हैं? एसिटामिनोफेनः यह टायलेनॉल दवा की मुख्य सामग्री है। उसका सही उच्चारण अ-सी-ट-मि-न-फेन है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस शब्द को बोलते हुए अटक गए थे। वह गर्भवती महिलाओं से यह दवा न लेने की बात कर रहे थे, जबकि इसके नुकासन के बारे में पक्के प्रमाण नहीं थे। उनकी गलती के बाद कॉमेडियन इस पर मजाक बनाते रहे। एलेक्स मडोर्कः वह दक्षिण कैरोलिना के वकील हैं। उन्हें अपनी पत्नी और बेटे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिली। उनके नाम का सही उच्चारण ऐल-इक मर्डोक है। इस साल इस मामले पर आधारित एक वेब सीरीज भी लोकप्रिय रही। मौनजारोः यह शुगर और मोटापे की दवा का नाम है। इसका सही उच्चारण माउन-जाहर-ओह है। इस साल वजन घटाने के दावों के चलते यह दवा सुर्खियों में आई। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में जारी सूची में भी लौवर और मौनजारो शब्द शामिल रहे। जनवरी में आयरलैंड और स्कॉटलैंड में आए तूफान एओविन ने भी लोगों को उसके उच्चारण से जूझने पर मजबूर कर दिया। इसका सही उच्चारण ए-ओ-विन है। सालभर कैप्शन बनाने वाले लोग उन शब्दों को लिखते रहते हैं, जिन्हें लोग बार-बार गलत बोलते हैं। गलत स्पेलिंग करते हैं या जो नए होते हैं। बैबेल के भाषाविद भी इस पर नजर रखते हैं कि कौन-से शब्द लोगों को कठिन लग रहे हैं। साल की सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि अभिनेता डेंजल वॉशिंगटन ने जिमी किमेल के शो पर बताया कि उनके नाम का सही उच्चारण डेन-जुल है, क्योंकि उनके पिता का नाम भी यही था।

पाकिस्तान के स्कूलों में हिंदू छात्राओं पर धर्म बदलने का दबाव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कई हिंदू छात्राओं के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उनके बच्चों को पढ़ाई जारी रखने के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा है। हंगामा बढ़ने पर सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान के स्कूलों में हिंदू छात्राओं पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कई हिंदू छात्राओं ने आरोप लगाया है कि पढ़ाई जारी रखने के लिए उन पर इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया जा रहा है। छात्राओं के आरोपों के बाद पाकिस्तान सरकार ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं। छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए बनाया गया दबाव नवंबर के आखिर में, सिंध के मीरपुर सकरो के सरकारी हाई स्कूल में कुछ हिंदू छात्राओं के माता-पिता ने आरोप लगाया कि स्कूल की प्रधान अध्यापक ने कथित तौर पर हिंदू छात्राओं से अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम अपनाने के लिए कहा था। आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है और उनके धर्म का मजाक उड़ाया जा रहा है। छात्राओं के माता-पिता ने यह भी दावा किया कि कुछ छात्राओं को इस्लाम अपनाने या कलमा पढ़ने से मना करने पर घर भेज दिया गया। सरकार ने दिए जांच के आदेश सिंध प्रांत के धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री कीसो मल खेल दास ने गुरुवार को सीनेट को बताया कि सरकार ने मामले की जांच का आदेश दिया है। सिंध के शिक्षा मंत्री सैयद सरदार अली शाह के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि मीरपुर सकरो जाकर सच्चाई का पता लगाने के लिए एक कमेटी बनाई गई है। उन्होंने शुक्रवार को कहा, 'कमेटी के सदस्यों ने पहले ही प्रभावित छात्रों, उनके माता-पिता, अध्यापकों और दूसरे टीचरों के बयान रिकॉर्ड कर लिए हैं।' उन्होंने कहा कि किसी को भी धमकी देकर धर्म बदलने की इजाजत नहीं है।

रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला, 15 लाख लोग अंधेरे में

एजेंसी, कीव/मास्को। पिछले 48 घंटों में रूसी सेना ने लगभग 36 बैलिस्टिक मिसाइलों और 600 ड्रोन

के जरिए यूक्रेन पर हमला किया, जिससे कई बड़े ऊर्जा संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए और लगभग 15 लाख लोग अंधेरे में डूब गए। यूक्रेन पर रूस के ताजा हमलों ने युद्ध को एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर ला खड़ा किया है। पिछले 48 घंटे के भीतर यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक रूसी सेना ने लगभग 36 बैलिस्टिक मिसाइलों और करीब 600 ड्रोन के जरिए व्यापक हमला किया, जिसमें कई बड़े ऊर्जा संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं और लगभग 15 लाख लोग अंधेरे में डूब गए हैं। खेरसोन, सूमी का बड़ा हिस्सा, खारकीव शहर और खारकीव क्षेत्र के विल्वा स्थित सैन्य अड्डे पर हुए हमलों ने न सिर्फ बिजली आपूर्ति ठप कर दी, बल्कि यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं और नागरिक ढांचे दोनों को गंभीर चोट पहुंचाई है। इन हमलों के दौरान 20 से अधिक नागरिकों के मारे जाने की भी खबर है। यूक्रेनी मीडिया सस्पिल्ने और किर्विक इंडिपेंडेंट के अनुसार यूक्रेनी ऊर्जा मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन के हवाले से मिल रही जानकारी के अनुसार रूस ने इस हमले की प्राथमिक दिशा के रूप में ऊर्जा अवसंरचना और सैन्य अड्डों को चुना। खेरसोन और सूमी क्षेत्र में प्रमुख विद्युत उपकेंद्रों और ट्रांसफॉर्मर स्टेशनों को निशाना बनाए जाने की वजह से पूरे इलाकों में लंबे समय के लिए बिजली कटौती लागू करनी पड़ी। खारकीव शहर और उसके आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित होने के साथझसाथ पानी के पंपिंग स्टेशन और ट्राम-मेट्रो जैसी शहरी सुविधाएं ठप हो गईं। सैचुरेशन अटैक (एक साथ इतने लक्ष्यों पर हमला कि वायु-रक्षा सिस्टम ओवरलोड हो जाए) की रणनीति अपनाई। अधिकतम दबाव की रणनीति पर काम कर रहा रूस युद्ध पर नजर रखने वाले कई अंतरराष्ट्रीय सामरिक थिंक टैंक, जैसे इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वार और स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि सर्दी और ऊर्जा निर्भर महीनों के आसपास रूस, यूक्रेन की बिजली और हीटिंग सुविधाओं पर हमले तेज कर सकता है, ताकि सामाजिक-आर्थिक दबाव बढ़ाकर कीव को बातचीत या रियायतों की ओर धकेला जा सके। की रणनीति यूक्रेनी सेनाओं के अनुसार 48 घंटों में रूस ने लगभग तीन दर्जन से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें और 600 के करीब ड्रोन दागकर सैचुरेशन अटैक (एक साथ इतने लक्ष्यों पर हमला कि वायु-रक्षा सिस्टम ओवरलोड हो जाए) की रणनीति अपनाई। अधिकतम दबाव की रणनीति पर काम कर रहा रूस युद्ध पर नजर रखने वाले कई अंतरराष्ट्रीय सामरिक थिंक टैंक, जैसे इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वार और स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि सर्दी और ऊर्जा निर्भर महीनों के आसपास रूस, यूक्रेन की बिजली और हीटिंग सुविधाओं पर हमले तेज कर सकता है, ताकि सामाजिक-आर्थिक दबाव बढ़ाकर कीव को बातचीत या रियायतों की ओर धकेला जा सके।

1945 के बाद पहली बार सीरिया पहुंची सुरक्षा परिषद की टीम

दमिश्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों का प्रतिनिधिमंडल 1945 के बाद पहली बार सीरिया पहुंचा, जिससे युद्धग्रस्त देश में राजनीतिक स्थिरता और शांति बहाली की उम्मीदें एक बार फिर मजबूत हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 1945 में परिषद की स्थापना के बाद पहली बार सीरिया पहुंचा। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन को एक वर्ष पूरा होने वाला है और देश नई अंतरिम सरकार के तहत वैश्विक समुदाय में फिर से शामिल होने की प्रक्रिया में है। नए अंतरिम राष्ट्रपति और पूर्व इस्लामिक विद्रोही कमांडर अहमद अल-शरा के नेतृत्व में सीरिया वर्तमान में राजनीतिक संक्रमण के सबसे महत्वपूर्ण चरण से गुजर रहा है। विश्वास बहाली के लिए दौरा- वठरउ अध्यक्ष बोले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वर्तमान अध्यक्ष और स्लोवेनिया के स्थायी प्रतिनिधि सैमुअल जबोगार ने दमिश्क में पत्रकारों से बातचीत में कहा हम यहां विश्वास बहाल करने आए हैं और उम्मीद है कि आज एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति अल-शरा, विदेश मंत्री असद अल-शिबानी सहित मंत्रिपरिषद से

मुलाकात की। इसके अलावा टीम ने स्थानीय वठ स्टाफ, नागरिक समाज संगठनों, धार्मिक नेताओं और इस वर्ष तटीय क्षेत्र व स्वैदा प्रांत में हुए सांप्रदायिक हिंसा से प्रभावित समुदायों से भी बातचीत की। न्याय, सुलह और राष्ट्रीय संवाद मुख्य एजेंडा जबोगार ने बताया कि सीरिया की मौजूदा स्थिति और भविष्य की दिशा को ध्यान में रखते हुए बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। इसमें सबसे पहले न्याय और सुलह की प्रक्रिया पर जोर दिया गया, ताकि लंबे समय से जारी संघर्षों के घाव भर सकें और समाज में आपसी विश्वास बहाल हो सके। इसके साथ ही राजनीतिक समावेशन और राष्ट्रीय संवाद को मजबूत बनाने की जरूरत पर भी सहमति बनी, जिससे देश के सभी वर्गों को नए राजनीतिक ढांचे में बराबरी की भूमिका मिल सके। बैठक में आर्थिक स्थिरता और विकास योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई, क्योंकि युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना सीरिया के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। साथ ही, आतंकवाद विरोधी रणनीतियों पर सहयोग बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने पर भी बात हुई कि सीरिया किसी भी देश की सुरक्षा के लिए खतरा न बने। जबोगार ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय सीरिया की संप्रभुता, एकता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का पूर्ण समर्थन करता है और यह दौरा उसी भरोसे को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया कदम है।

चक्रवाती तूफान दित्वाह से श्रीलंका में तबाह हुए हजारों घर

कोलंबो। चक्रवाती तूफान के बाद पड़ोसी देश श्रीलंका में मची भारी तबाही के बाद भारत ने ऑपरेशन

सागर बंधु के जरिए श्रीलंका को तुरंत मानवीय मदद पहुंचाई। अब भारत सरकार श्रीलंका में पुनर्निर्माण कार्यों में भी मदद करने पर विचार कर रही है। श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वाह से 486 लोगों की मौत हुई और हजारों घर तबाह हो गए और बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। चक्रवाती तूफान के असर से श्रीलंका में बाढ़, भूस्खलन की समस्या अभी भी बनी हुई है। ऐसे में भारत ने श्रीलंका की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के आवास और निर्माण मंत्री सुसील रानासिंघे से मुलाकात की। इस मुलाकात में चक्रवाती तूफान से हुई भारी तबाही और पुनर्निर्माण कार्यों को लेकर चर्चा की। भारतीय उच्चायुक्त ने दी मुलाकात की जानकारी भारतीय उच्चायुक्त ने शुक्रवार को पर साझा एक पोस्ट में लिखा, उनकी और श्रीलंकाई मंत्री के बीच हुई मुलाकात में दोनों ने चक्रवात दित्वाह के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्वास की जरूरतों पर चर्चा की। श्रीलंका के आवास क्षेत्र में भी भारत-श्रीलंका विकास सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। शुक्रवार सुबह श्रीलंका के आपदा प्रबंधन विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 16 नवंबर से खराब मौसम की वजह से आई भयानक बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 486 लोग मारे गए हैं और 341 लोग लापता हैं। आंकड़ों के मुताबिक, चक्रवाती तूफान के बाद श्रीलंका में 2,303 घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं, जबकि 52,489 घरों को नुकसान हुआ है। भारत ऑपरेशन सागर बंधु के तहत पहले ही श्रीलंका को मानवीय मदद दे रहा है, जिसमें बड़े पैमाने पर हवाई, समुद्री और जमीनी ऑपरेशन चलाकर प्रभावित लोगों को तुरंत राहत पहुंचाई जा रही है।

2025 में सबसे अधिक गलत बोले गए शब्दों की सूची जारी

डलास। इस साल अमेरिका में लोग कई शब्दों की सही उच्चारण नहीं कर पाए, जिनमें न्यूयॉर्क के नए मेयर जोरान मामदानी और पेरिस के लूवर म्यूजियम के नाम सबसे ज्यादा गलत बोले गए। बैबेल ने एक सूची जारी की, जिसमें बताया कि टीवी एंकर्स और नेताओं ने सालभर किन शब्दों का गलत उच्चारण किया। इस साल की खबरों में कई नामों का उच्चारण सही से नहीं किया गया, जिसने अमेरिकी नागरिकों को उलझन में डाल दिया। इनमें न्यूयॉर्क के नए मेयर जोरान मामदानी और पेरिस के मशहूर लूवर म्यूजियम का नाम भी शामिल हैं। इस साल इन दो नामों का सर्वाधिक गलत उच्चारण किया गया। दरअसल, एक सूची जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि किन नामों का सबसे ज्यादा बार गलत उच्चारण किया गया। भाषा सिखाने वाली कंपनी बैबेल और कैप्शन बनाने वाली कंपनी द कैप्शनिंग ग्रुप ने गुरुवार को यह सूची जारी की। इसमें वे शब्द हैं जिन्हें अमेरिका के टीवी एंकर, नेता और दूसरे लोग पूरे साल गलत बोलते रहे। इससे पता चलता है कि लोग किन चीजों के बारे में सबसे ज्यादा बात कर रहे थे। मामदानी जैसे-जैसे राजनीति में ऊपर आते गए, लोग उनके नाम को गलत बोलते रहे। जनवरी में जब वह मेयर बनेंगे, तो वह शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। वह पहले अफ्रीका में जन्मे और पहले दक्षिण एशियाई मूल के मेयर होंगे। बैबेल का कहना है कि उनके नाम का सही उच्चारण 'जो-रान माम-दानी' है। लोग उनके नाम के 'एम' और 'एन' को बदलकर गलत बोल देते हैं। मामदानी ने कहा कि अगर कोई कोशिश करता है और उनका नाम गलत बोल देता है तो उन्हें परेशानी नहीं होती, लेकिन कुछ लोग जानबूझकर गलत बोलते हैं। मेयर पद के लिए एक बहस में उन्होंने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुयोमो को कहा था- 'मेरा नाम मामदानी है।' अक्तूबर में लूवर म्यूजियम से फ्रांस के शाही जवाहरात की चोरी सुर्खियों में रही, लेकिन इसके साथ ही म्यूजियम के नाम का उच्चारण भी लोगों के लिए चुनौती बन गया। बैबेल के मुताबिक इसका सही उच्चारण लूव-र है, जिसमें 'र' बहुत हल्के स्वर में बोला जाता है। बैबेल के भाषाई विशेषज्ञ एस्टेबन टौमा का कहना है कि कठिनाई का मुख्य कारण यह है कि कई शब्द अलग-अलग भाषाओं से आते हैं और अंग्रेजी बोलने वालों को नए स्वरों को अपनाने में परेशानी होती है। सूची में अन्य कौन शब्द शामिल हैं? एसिटामिनोफेनः यह टायलेनॉल दवा की मुख्य सामग्री है। उसका सही उच्चारण अ-सी-ट-मि-न-फेन है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस शब्द को बोलते हुए अटक गए थे। वह गर्भवती महिलाओं से यह दवा न लेने की बात कर रहे थे, जबकि इसके नुकासन के बारे में पक्के प्रमाण नहीं थे। उनकी गलती के बाद कॉमेडियन इस पर मजाक बनाते रहे। एलेक्स मडोर्कः वह दक्षिण कैरोलिना के वकील हैं। उन्हें अपनी पत्नी और बेटे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिली। उनके नाम का सही उच्चारण ऐल-इक मर्डोक है। इस साल इस मामले पर आधारित एक वेब सीरीज भी लोकप्रिय रही। मौनजारोः यह शुगर और मोटापे की दवा का नाम है। इसका सही उच्चारण माउन-जाहर-ओह है। इस साल वजन घटाने के दावों के चलते यह दवा सुर्खियों में आई। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में जारी सूची में भी लौवर और मौनजारो शब्द शामिल रहे। जनवरी में आयरलैंड और स्कॉटलैंड में आए तूफान एओविन ने भी लोगों को उसके उच्चारण से जूझने पर मजबूर कर दिया। इसका सही उच्चारण ए-ओ-विन है। सालभर कैप्शन बनाने वाले लोग उन शब्दों को लिखते रहते हैं, जिन्हें लोग बार-बार गलत बोलते हैं। गलत स्पेलिंग करते हैं या जो नए होते हैं। बैबेल के भाषाविद भी इस पर नजर रखते हैं कि कौन-से शब्द लोगों को कठिन लग रहे हैं। साल की सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि अभिनेता डेंजल वॉशिंगटन ने जिमी किमेल के शो पर बताया कि उनके नाम का सही उच्चारण डेन-जुल है, क्योंकि उनके पिता का नाम भी यही था।

निजी फोन पर गोपनीय सैन्य जानकारी साझा कर फंसे अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन। पेंटागन की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने निजी फोन पर यमन हमले की संवेदनशील जानकारी साझा कर अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला। रिपोर्ट में अनधिकृत ऐप के उपयोग पर कड़ी आपत्ति जताई गई है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ एक बड़े विवाद में घिर गए हैं। पेंटागन के इंस्पेक्टर जनरल की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हेगसेथ ने यमन में होने वाले एक सैन्य हमले की संवेदनशील जानकारी अपने निजी फोन और

अनधिकृत मैसेजिंग ऐप सिग्नल पर साझा की थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम अमेरिकी सैनिकों और उनके मिशन के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता था। रिपोर्ट में कहा गया कि हेगसेथ ने जिन जानकारियों को भेजा (जैसे हमले का समय और विमानों की संख्या) वह संवेदनशील थीं और दुश्मन देशों या हूती मिलिशिया के हाथ लगने पर अमेरिकी पायलटों का मिशन असफल हो सकता था। गलती सामने कैसे आई? पेंटागन जांच में पाया गया कि हेगसेथ के पास जानकारी 'डिक्लासिफाई' करने का अधिकार था, लेकिन संवेदनशील सैन्य जानकारी निजी फोन पर साझा करना विभागीय नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी अगर यह जानकारी अमेरिकी विरोधियों के हाथ लग जाती, वे हमलों से बचने या पलटवार करने की स्थिति में आ जाते। यह मामला तब उजागर हुआ जब अटलांटिक के पत्रकार जेफ्री गोल्डबर्ग को गलती से उसी सिग्नल चैट में जोड़ दिया गया जिसमें यह जानकारी साझा हुई थी। डेमोक्रेटिक और कई रिपब्लिकन सांसदों ने इस घटना को गंभीर खतरा बताते हुए कहा कि अगर कोई निचले पद का अधिकारी ऐसा करता, तो उसे तुरंत बर्खास्त कर दिया जाता। हेगसेथ की सफाई सोशल मीडिया पर हेगसेथ ने अपने बचाव में लिखा कोई गोपनीय जानकारी नहीं थी। मामला खत्म। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने सिर्फ अनक्लासिफाइड सारांश साझा किया था और इससे किसी की सुरक्षा को खतरा नहीं था। और भी विवादों में घिरे हैं हेगसेथ हेगसेथ पहले ही कैपिटल हिल में सवालों के घेरे में हैं, जहां उन पर कैरेबियन सागर में एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी वाली नाव पर की गई कार्रवाई में मौतों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कथित रूप से 'किल एवरीवन' आदेश दिया था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन पर किया मुकदमा द न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन के खिलाफ अदालत का रुख किया है। अखबार का कहना है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा लागू किए गए नए मीडिया नियम असंवैधानिक हैं और इन्हें खत्म किया जाना चाहिए। इन नियमों की वजह से ज्यादातर बड़े मीडिया संगठनों को पेंटागन परिसर से बाहर कर दिया गया है।

अमेरिका ने ड्रग तस्करी का आरोप लगा एक और नौका को बनाया निशाना

वॉशिंगटन। अमेरिका ने एक बार फिर ड्रग तस्करी का आरोप लगाकर प्रशांत महासागर में एक छोटी नौका को निशाना बनाया है। दावा किया जा रहा है कि इस हमले में चार लोग मारे गए हैं। यह हमला ऐसे समय किया गया, जब अमेरिकी संसद 2 सितंबर को निशाना बनाई गई नौका के मामले की जांच कर रही है। अमेरिकी सेना की दक्षिणी कमांड ने बताया है कि उन्होंने गुरुवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में एक और नौका को निशाना बनाया है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि नौका के जरिए ड्रग तस्करी की जा रही थी। गुरुवार को किया गया हमला अमेरिकी सेना का कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में किया गया 22वां हमला है, जिसमें चार लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि गुरुवार के हमले के बाद अमेरिका के ड्रग तस्करी की संदिग्ध नौकाओं को निशाना बनाने में अब तक करीब 87 लोगों की मौत हो चुकी है। सामने आया हमले का वीडियो एक वीडियो में दिख रहा है कि एक छोटी नौका समुद्र में तेजी से जा रही है और अचानक से उसमें विस्फोट होता है और नौका आग की लपटों में घिर जाती है। यह हमला उसी दिन किया गया है, जब अमेरिकी संसद अमेरिकी सेना द्वारा 2 सितंबर को पहली बार एक छोटी नौका को निशाना बनाए जाने की जांच कर रही है। अमेरिकी सेना के एडमिरल फ्रैंक ब्रैडली गुरुवार को ही अमेरिकी सांसदों के सामने पेश हुए। 2 सितंबर के हमले में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें दावा किया गया कि एडमिरल ब्रैडली ने हमले में बचे हुए लोगों को मारने के लिए फिर से हमले का आदेश दिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्रैडली ने डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के आदेश के बाद दूसरा हमला किया था। कानूनी जानकारों ने कहा है कि समुद्र में हमले में बचे लोगों को मारना युद्ध के कानूनों का उल्लंघन हो सकता है। अमेरिका का आरोप है कि इन नौकाओं के जरिए वेनेजुएला से अमेरिका में ड्रग तस्करी की जा रही है। ट्रंप इसे लेकर बार-बार वेनेजुएला की सरकार पर हमला बोल रहे हैं। वहीं वेनेजुएला के राष्ट्रपति का आरोप है कि अमेरिका उनके खिलाफ सैन्य अभियान कर उनकी सरकार को गिराने की साजिश रच रहा है। वेनेजुएला ने भी संभावित सैन्य अभियान के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।